RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 141 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 15-12-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 एसआईआर के बाद उत्तर प्रदेश में चार करोड़ मतदाता घटे : योगी

6 न्यायपालिका पर नकेल डालने का सियासी प्रयोग है महाभियोग

7 मैंने नींव रखी, तुमने महल बना दिया : स्वाति मिश्रा

फर्स्ट टेक

अमेरिका के ब्राउन विश्वविद्यालय में गोलीबारी में दो लोगों की मौत, नौ घायल

प्रोविडेंस (अमेरिका)/एपी। अमेरिका में रोड आइलैंड राज्य के प्रोविडेंस शहर स्थित ब्राउन विश्वविद्यालय की अंतिम परीक्षाओं के दौरान गोलीबारी की घटना में दो लोगों की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हो गए। मामले में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। प्रोविडेंस पुलिस प्रमुख कर्नल ऑस्कर पेरेज़ ने संवाददाता सम्मेलन में बताया की कि गिरफ्तार व्यक्ति की उम्र 30 वर्ष के आसपास है। उन्होंने यह बताने से इनकार कर दिया कि व्यक्ति को कहां गिरफ्तार किया गया और क्या उसका विश्वविद्यालय से कोई संबंध है। शनिवार दोपहर को रोड आइलैंड के प्रोविडेंस स्थित ब्राउन विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग भवन में अंतिम परीक्षा के दौरान गोलीबारी हुई।

दक्षिण अफ्रीका में चार मंजिला मंदिर गिरने से चार लोगों की मौत

जोहानिसबर्ग/भाषा। दक्षिण अफ्रीका स्थित भारतीय कस्बे रेडक्लिफ में चार मंजिला अहोबिलम मंदिर के निर्माण स्थल पर कई टन कंक्रीट गिरने से मारे गए लोगों की संख्या बढ़कर चार हो गई है। दक्षिण अफ्रीका की प्रतिक्रिया इकाई के प्रवक्ता प्रेम बलराम ने स्थानीय मीडिया को बताया कि बचाव अभियान दो दिन से जारी है और बचावकर्मियों को एक अन्य शव होने का पता चला है लेकिन उन्हें खराब मौसम के कारण शनिवार दोपहर अभियान रोकना पड़ा। उन्होंने कहा, ''इस समय यह पुष्टि नहीं की जा सकती कि मलबे के नीचे और भी लोग फंसे हुए हैं या नहीं।'' मृतकों में से एक की पहचान विकी जयराज पांडे (52) के रूप में हुई है जो दो साल पहले मंदिर की स्थापना के बाद से इसमें सेवाएं दे रहे थे। पांडे मंदिर के कार्यकारी सदस्य और निर्माण परियोजना के प्रबंधक थे।

नाटो में शामिल नहीं होगा यूक्रेन : जेलेंस्की

बर्लिन/एपी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रविवार को पश्चिमी देशों से सुरक्षा गारंटी मिलने पर नाटो में शामिल नहीं होने की बात कही। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका उन पर रूस को क्षेत्र सौंपने के लिए दबाव न बनाए। जेलेंस्की युद्ध समाप्ति पर अमेरिका के राजनयिकों के साथ बातचीत के लिए बर्लिन पहुंचे थे। जेलेंस्की, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर के साथ होने वाली अपेक्षित वार्ता से पहले चांसलरी पहुंचे।

सूर्यास्त 15-12-2025	सूर्योदय 16-12-2025
5:55 बजे	6:34 बजे

BSE	NSE
85,267.66	26,046.95
(+449.52)	(+148.40)

सोना	चांदी
13,418 रु.	190,619 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

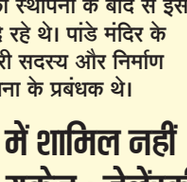

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

टिकट का रगड़ा

क्या जनप्रतिनिधि भी होता है,
सोचो अगड़ा या फिर पिछड़ा।
वोटों के चस्के ने ही बस,
फैलाया है सारा रगड़ा।
दें टिकट योग्य को सभी अगर,
तब होगा खत्म सभी झगड़ा।
ऐसा वे ना होने देंगे,
जिनको सत्ता लालच तगड़ा।।

जनसमूह

तिरुवन्नामलै में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन रविवार को तिरुवन्नामलै में आयोजित डीएमके युवा विंग के क्षेत्रीय सम्मेलन के दौरान उपस्थित जनसमूह का अभिवादन करते हुए।

ऊर्जा दक्षता बढ़ाने के लिए व्यवहार में बदलाव आवश्यक : राष्ट्रपति मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को कहा कि देश के सभी क्षेत्रों में ऊर्जा दक्षता लाने के लिए हर नागरिक में व्यवहारिक परिवर्तन बेहद जरूरी है।

राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रकृति के साथ संतुलित जीवन शैली अपनाने की चेतना भारत की सांस्कृतिक परंपरा का मूल है। यही विचार 'लाइफस्टाइल फॉर एन्वायरनमेंट लाइफ' के माध्यम से पूरी दुनिया तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''भारत के ऊर्जा परिवर्तन की सफलता के लिए हर क्षेत्र और हर नागरिक की भागीदारी आवश्यक है। सभी क्षेत्रों में ऊर्जा दक्षता लाने के लिए व्यवहार में बदलाव बेहद जरूरी है।''

राष्ट्रपति ने कहा कि ऊर्जा संरक्षण सबसे पर्यावरण अनुकूल और ऊर्जा का सबसे विश्वसनीय स्रोत है। ऊर्जा संरक्षण केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि आज की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है। ऊर्जा का बुद्धिमानी से, जिम्मेदारी से और कुशलता से उपयोग करना है। उन्होंने कहा, ''जब हम अनावश्यक विद्युत उपकरणों के उपयोग से बचते हैं, ऊर्जा-कुशल उपकरण अपनाते हैं, घरों और कार्यस्थलों में प्राकृतिक प्रकाश और वेंटिलेशन का उपयोग करते हैं या सौर और नवीकरणीय ऊर्जा विकल्प अपनाते हैं, तो हम न केवल ऊर्जा बचाते हैं बल्कि कार्बन उत्सर्जन को भी कम करते हैं।''

नितिन नबीन भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को बिहार सरकार में कैबिनेट मंत्री नितिन नबीन को पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया। भविष्य में वह जे. पी. नड्डा का स्थान लेते हुए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बन सकते हैं। इसे सत्तारूढ़ दल में पीढ़ीगत बदलाव का संकेत माना जा रहा है।

पार्टी नेताओं के अनुसार, नितिन नबीन (45) दिवंगत नबीन किशोर प्रसाद सिन्हाजो भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक थेके पुत्र हैं। उन्हें एक गतिशील, वैचारिक रूप से दृढ़ और संगठन के प्रति गहराई से समर्पित नेता माना जाता है।

▪ **पांच बार विधायक रहे नितिन नबीन बिहार के बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं।**

पांच बार विधायक रहे नितिन नबीन बिहार के बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। वह इससे पहले भी बिहार सरकार में मंत्री रहे हैं।

भाजपा नेताओं ने कहा कि बिहार में मंत्री के रूप में नबीन का कार्यकाल और छत्तीसगढ़ के पार्टी प्रभारी के रूप में उनकी भूमिका वास्तव में उत्कृष्ट रही है और उनके प्रभावी संगठनात्मक नेतृत्व को दर्शाता है। भाजपा के संसदीय बोर्ड ने नबीन को इस पद के लिए चुना है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने एक बयान में कहा, भाजपा के संसदीय बोर्ड ने बिहार सरकार में मंत्री नितिन नबीन को तत्काल प्रभाव से भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया है।

ऑस्ट्रेलिया में सिडनी के बॉन्डी बीच पर

यहूदी समुदाय के उत्सव में गोलीबारी, 11 लोगों की मौत

सिडनी/एपी। ऑस्ट्रेलिया में सिडनी के बॉन्डी बीच पर रविवार को यहूदी समुदाय के उत्सव के दौरान दो बंदूकधारियों की अंधाधुंध गोलीबारी में 11 लोगों की मौत हो गई। ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों ने इसे आतंकी हमला करार दिया है।

पुलिस ने एक हमलावर को मार गिराया जबकि एक अन्य को गिरफ्तार कर लिया गया।

सिडनी के न्यू साउथ वेल्स पुलिस आयुक्त एम. लेनयॉन ने बताया कि इस हमले में दो पुलिस अधिकारियों समेत 29 लोग घायल

हुए हैं। उन्होंने बताया कि घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया गया है। राज्य प्रमुख क्रिस मिन्स ने कहा, ''इस हमले का निशाना सिडनी का यहूदी समुदाय था।'' यहूदी त्योहार हनुक्का की शुरुआत का जश्न मनाने के लिए सैकड़ों लोग बॉन्डी बीच पर 'चानुका बाय द सी' नामक कार्यक्रम के लिए एकत्र हुए थे।

ऑस्ट्रेलियाई टेलीविजन चैनलों पर प्रसारित फुटेज में देखा जा सकता है कि कोई व्यक्ति बंदूकधारियों में से एक को पकड़कर उससे हथियार छीन लेता है और फिर वही हथियार उस पर तान देता है। मेलबर्न निवासी 32 वर्षीय लाचलान मोरान ने बताया कि वह पास ही में अपने परिवार का इंतजार कर रहे थे, तभी उन्हें गोलियों की आवाज सुनाई दी।

निकाय चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद

केरल में कई जगह पर हिंसा

कोझिकोड (केरल)/भाषा। केरल में 13 दिसंबर को स्थानीय निकाय चुनाव के परिणाम घोषित होने के बाद राज्य के विभिन्न स्थानों, विशेष रूप से उत्तरी जिलों में हिंसा भड़क गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। कोझिकोड जिले के एरमला में कांग्रेस कार्यालय इंदिरा गांधी भवन पर कथित तौर पर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) कार्यकर्ताओं के हमले के बाद पूरी रात तनाव बना रहा। एडाचेरी थाने में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, करीब 200 लोग खतरनाक हथियार लेकर मार्च करते हुए कांग्रेस कार्यालय की ओर पहुंचे और इमारत में तोड़फोड़ की। इस हमले में लगभग पांच लाख रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। पुलिस ने बताया कि हमले में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की प्रतिमा को भी नुकसान पहुंचाया गया। एक अधिकारी ने बताया कि घटना के तुरंत बाद संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) कार्यकर्ता भी वहां पहुंच गए, जिससे स्थिति और बिगड़ गई।

इसरो अगले साल मार्च तक गगनयान सहित सात अभियान प्रक्षेपित करेगा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अगले साल मार्च तक सात प्रक्षेपण अभियानों की योजना बनाई है, जिनमें उपग्रह और क्वांटम-की वितरण प्रौद्योगिकियों के लिए स्वदेशी रूप से निर्मित इलेक्ट्रिक प्रणोदन प्रणालियों का प्रदर्शन आंकने वाला मिशन और गगनयान परियोजना से जुड़ा पहला मानवरहित अभियान शामिल है। इन सात प्रक्षेपणों में से पहला प्रक्षेपण अगले हफ्ते होने की संभावना है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने हाल ही में संसद को बताया कि भारत का सबसे भारी रॉकेट 'एलवीएम3' इसरो की न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) और अमेरिकी कंपनी एएसटी स्पेसमोबाइल के बीच हुए एक वाणिज्यिक करार के तहत 'ब्लूबर्ड-6' संचार उपग्रह को अंतरिक्ष की कक्षा में स्थापित करेगा।

दक्षिण अफ्रीका को सात विकेट से हराकर भारत ने श्रृंखला में बनाई बढ़त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धर्मशाला/भाषा। अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और वरुण चक्रवर्ती की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद अभिषेक शर्मा (18 गेंद में 35 रन) की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी से भारत ने पांच मैचों की श्रृंखला के तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में दक्षिण अफ्रीका को 25 गेंद शेष रहते सात विकेट से हराकर 2-1 से बढ़त कायम कर ली।

कप्तान एडेन मारक्रम की 46 गेंद में 61 रन की पारी के बावजूद दक्षिण अफ्रीका की टीम 117 रन पर आउट हो गयी। भारत ने 15.5 ओवर में ही तीन विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। अभिषेक शर्मा ने तीन छक्के और इतने ही चौके लगाने के अलावा और शुभमन गिल (28 गेंद में 28 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 32 गेंद में 60 रन की साझेदारी कर टीम को तेज शुरुआती दिलाकर जीत की राह आसान कर दी।

अपना केवाईसी अपडेट रखें

ताकि आप बिना किसी रुकावट के बैंकिंग सेवाओं का लाभ उठा सकें

यदि आपके केवाईसी संबंधी विवरण में कोई बदलाव नहीं हुआ है,
तो आप अपने पुन:केवाईसी के लिए एक स्व-घोषणा पत्र जमा करें - जिसे आप पत्र/ऑनलाइन बैंकिंग/मोबाइल बैंकिंग/एटीएम/बैंक में पंजीकृत अपने मोबाइल नंबर/ईमेल या कारोबार प्रतिनिधि (बीसी) के माध्यम से जमा करवा सकते हैं।

यदि आपके केवाईसी संबंधी विवरण बदल गए हैं,
तो अपडेटेड विवरणों वाले किसी एक दस्तावेज़ की प्रति प्रदान करें: आधार/मतदाता पहचान पत्र/NREGA जॉब कार्ड/ड्राइविंग लाइसेंस/पासपोर्ट/राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर द्वारा जारी पत्र।

आप अपनी नज़दीकी बैंक शाखा में जाकर भी अपना केवाईसी अपडेट करवा सकते हैं।

अधिक जानकारी के लिए, https://rbikehtahai.rbi.org.in/KYC पर जाएँ
आधिकारिक व्हाट्सएप नंबर: 99990 41935/99309 91935

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

जीतो साउथ चैप्टर ने किया 'भक्तामर-दि मिरेकल वाइब्रेशन्स' का प्रभावशाली आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इंटरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) साउथ चैप्टर फाउंडेशन द्वारा रविवार को एफकेसीसीआई ऑडिटोरियम में भक्तामर-दि मिरेकल वाइब्रेशन्स' नामक एक प्रभावशाली कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य भक्तामर स्तोत्र एवं नवकार मंत्र की गूढ़ शिक्षाओं के माध्यम से प्रतिभागियों को सशक्त बनाना था। जीतो के पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन किया गया। जीतो साउथ के चेयरमैन रणजीत सोलंकी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम सभी सहभागियों के आगामी जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि का शुभारंभ सिद्ध हो तथा समाज में सकारात्मक ऊर्जा का व्यापक संचार करे।कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में वास्तु एनर्जी डायनेमिक्स ऑडिटर एवं न्यूमेरोलॉजिस्ट डॉ. अमरेश मेहता थे। डॉ मेहता ने कहा, जैन मंत्र केवल जप नहीं है, बल्कि ये शक्तिशाली वाइब्रेशन्स हैं, जो वास्तविक समय में ऊर्जा को परिवर्तित करने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने बताया कि इन मंत्रों के नियमित अभ्यास से तनाव में कमी, मानसिक शांति, स्पष्टता, समृद्धि एवं सफलता को सक्रिय किया जा सकता है। उपस्थित अनेक श्रोताओं ने डॉ. अमरेश से भक्तामर स्तोत्र, नवकार मंत्र, ऊर्जा संतुलन एवं व्यक्तिगत अनुभवों से संबंधित अनेक प्रश्न पूछे। कार्यक्रम के दौरान भक्तामर स्तोत्र से होने वाले विभिन्न परिवर्तनकारी लाभों को विस्तार से समझाया गया। इनमें चक्र संरेखण (चक्र एलाइन्मेंट) के माध्यम से ऊर्जा केंद्रों का संतुलन, आभा शुद्धिकरण (ऑरा क्लीनजिंग) द्वारा आभामंडल का शुद्धिकरण एवं उन्नयन, लकी नंबर एनर्जी के जरिए न्यूमेरोलॉजी की शक्ति का उपयोग तथा ग्रोथ एवं सक्सेस एक्टिवेशन द्वारा नए अवसरों को आकर्षित कर व्यक्तिगत सफलता पथ से जुड़ाव जैसे विषय शामिल रहे। कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण भक्तामर स्तोत्र एवं नवकार मंत्र का लाइव डेमो रहा। इसमें एक सहभागी को मंच पर आमंत्रित कर उनके ऊर्जा स्तर को मंत्रोच्चारण से पहले एवं बाद में स्क्रीन पर लाइव मापा गया। इस प्रदर्शन ने चक्र संतुलन एवं आभा में होने वाले वास्तविक समय के परिवर्तन को स्पष्ट रूप से दर्शाया, जिससे उपस्थित श्रोतागण अत्यंत प्रभावित हुए।इस अवसर पर जीतो साउथ की ओर से मुख्य वक्ता डॉ. अमरेश मेहता का सम्मान किया गया। इस आयोजन में 350 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में जीतो अपेक्स मंत्री श्रीपाल बच्छावत, अपेक्स डायरेक्टर एवं केकेजी ज़ोन चेयरमैन प्रवीन बाफना, श्रमण आरोग्यम चेयरमैन रमेश हरण, जीतो जॉब्स चेयरमैन विनोद पोखरणा, कोषाध्यक्ष नेमीचंद चोपड़ा, जीतो नॉर्थ के मुख्य सचिव विजय सिंघवी सहित दोनों चैप्टर के सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन बबीता रायसोनी ने किया तथा सहकोषाध्यक्ष नरेंद्र संकलेचा ने धन्यवाद दिया। वक्ता का परिचय संयोजक प्रवीन सोफाड़िया ने दिया। सह-संयोजक प्रतीक गांधी ने व्यवस्था संभाली।

विशाखापत्तनम में भारतीय नौसेना मैराथन में 17 हजार से अधिक धावकों ने भाग लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विशाखापत्तनम/भाषा। विशाखापत्तनम में रविवार को भारतीय नौसेना मैराथन का 10वां संस्करण संपन्न हुआ, जिसमें 17 देशों के विदेशी नागरिकों सहित 17,000 से अधिक धावकों ने भाग लिया।

जानकारी के अनुसार, 10 लाख रुपए से अधिक की इनामी राशि वाली इस मैराथन में देश-विदेश से आए एथलीट और फिटनेस प्रेमियों ने हिस्सा लिया। इस आयोजन ने भागीदारी के लिहाज से एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

पूर्वी नौसैन्य कमान (ईएनसी) ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ''विशाखापत्तनम नौसेना मैराथन 2025 में 17,000 से अधिक धावकों ने भाग लिया, जो अभूतपूर्व उत्साह और खेल भावना को दर्शाता है।''

जिलाधिकारी एम. एन. हरेंद्रिरा प्रसाद और पुलिस आयुक्त शंख ब्रत बागची ने वरिष्ठ नौसेना अधिकारियों, नागरिक प्रशासन के अधिकारियों, पूर्व सैनिकों और प्रमुख साझेदार संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ 10 किलोमीटर और पांच किलोमीटर की दौड़ को झंडी दिखाकर रवाना किया। ईएनसी के 'फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ' वाइस एडमिरल संजय भल्ला ने मैराथन के विजेताओं, धावकों और आयोजकों को बधाई दी तथा आयोजन को सफल बनाने में सहयोग के लिए जिला प्रशासन, स्थानीय पुलिस और स्वयंसेवी संगठनों का आभार व्यक्त किया।

फडणवीस और शिंदे ने हेडगेवार के स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एवं शिवसेना के अन्य विधायक रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के संस्थापक के बी हेडगेवार के स्मारक गए। हालांकि, उपमुख्यमंत्री अजित पवार और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अन्य विधायक इस दौरान उनके साथ नहीं थे।

इस यात्रा के दौरान शिवसेना प्रमुख शिंदे ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को उसके गठन के 100 वर्ष पूरे होने पर बधाई दी, वर्तमान आरएसएस प्रमुख मोहन भगवत को ''सच्चा देशभक्त'' बताया और कहा कि यह वर्ष ''देशभक्ति की शताब्दी'' का वर्ष है।

महाराष्ट्र विधानसभा का शीतकालीन सत्र नागपुर में जारी है। राज्य विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान प्रतिवर्ष भाजपा के मंत्री और विधायक रेशिमबाग स्थित स्मृति मंदिर में हेडगेवार और दूसरे संघचालक एम.एस. गोलवलकर के स्मारक पर जाते हैं। पिछले साल अजित पवार नीत राकांपा के प्रतिनिधियों के तौर पर विधायक राजू कारेमोरे और राजकुमार बडोले ही स्मृति मंदिर गए थे।

रविवार सुबह फडणवीस, शिंदे, राज्य विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर, विधान परिषद के सभापति राम शिंदे और भाजपा एवं शिवसेना के कई अन्य विधायकों ने हेडगेवार और गोलवलकर के स्मारक पर श्रद्धांजलि दी। बाद में, शिंदे ने पत्रकारों से कहा कि वह जब भी शीतकालीन सत्र के लिए नागपुर आते हैं, तो डॉ. हेडगेवार स्मृति मंदिर जरूर जाते हैं। उन्होंने कहा, ''यहां आने के बाद हम सभी को एक अलग अनुभूति होती है और देश की सेवा करने के लिए ताकत और प्रेरणा मिलती है। यह देशभक्ति की शताब्दी है।'' उन्होंने कहा, ''आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत एक सच्चे देशभक्त हैं और एक बड़ी हस्ती हैं जो संघचालक के तौर पर देश का हमेशा मार्गदर्शन करते हैं। हम आम कार्यकर्ता होने के नाते समाज की सेवा करने के लिए हमेशा उनसे प्रेरणा लेते हैं।''

शिंदे ने कहा कि डॉ. हेडगेवार ने 100 साल पहले नागपुर में आरएसएस की स्थापना की थी और यह एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने

प्रतिभा और नेतृत्व केवल विशेषाधिकार प्राप्त पृष्ठभूमि वाले लोगों तक ही सीमित नहीं : शरद पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) अध्यक्ष शरद पवार ने कहा कि प्रतिभा और नेतृत्व केवल विशेषाधिकार प्राप्त पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों तक सीमित नहीं हैं और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए साधारण परिवारों के योग्य व्यक्तियों की पहचान करने और उनका सहयोग करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

यशवंतराव चव्हाण केंद्र में आयोजित 'शरद पवार इंस्पायर फेलोशिप अवार्ड' समारोह में उन्होंने कहा कि यह फेलोशिप कार्यक्रम महाराष्ट्र के पहले मुख्यमंत्री यशवंतराव चव्हाण के जीवन और मूल्यों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। पवार ने कहा, कई लोग जीवन में इसलिए सफल होते हैं क्योंकि उनकी पृष्ठभूमि मजबूत होती है और उन्हें अच्छा सहयोग मिलता है, लेकिन ऐसे भी कई लोग हैं जिन्हें ऐसा सहयोग नहीं मिलता फिर भी उनमें समाज के लिए काम करने की क्षमता और दूरदृष्टि होती है। उन्हें अवसरों और प्रोत्साहन की आवश्यकता है। चव्हाण के सफर को याद करते हुए पवार ने कहा कि वह बहुत साधारण पृष्ठभूमि से थे, फिर भी न केवल महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बने बल्कि उन्होंने रक्षा मंत्री, वित्त मंत्री और विदेश मंत्री के रूप में भी देश की सेवा की। राकांपा (एसपी) प्रमुख ने यशवंतराव चव्हाण प्रतिष्ठान के काम की सराहना करते हुए कहा, यह दर्शाता है कि प्रतिभा कुछ ही लोगों का एकाधिकार नहीं है। यह आम लोगों में भी मौजूद है।

बीएमडब्ल्यू 'मिनी' ब्रांड को और मजबूत करेगी, नए मॉडल लाने, बिक्री बढ़ाने पर जोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जर्मनी की लग्जरी कार विनिर्माता बीएमडब्ल्यू अगले साल भारत में अपने 'मिनी' पोर्टफोलियो का विस्तार करने की योजना बना रही है, ताकि मेट्रो शहरों से बाहर बढ़ती मांग को पूरा किया जा सके। कंपनी के अध्यक्ष और सीईओ हरदीप सिंह बरार ने यह जानकारी दी।

कंपनी के पोर्टफोलियो में फिलहाल मिनी कूपर, मिनी कंट्रीमैन जेसीडब्ल्यू और मिनी कन्वर्टिबल शामिल हैं। ब्रांड को बड़े शहरों से आगे स्वीकृति मिलने के साथ कंपनी छोटे शहरों और कस्बों में अपने बिक्री नेटवर्क का विस्तार करने पर भी ध्यान दे रही है। बरार ने पीटीआई-भाषा से बातचीत में कहा, ''हम अगले साल मिनी पोर्टफोलियो के तहत एक-दो और उत्पाद लाने पर विचार कर रहे हैं।'' बीएमडब्ल्यू अगले साल अपने बिक्री नेटवर्क का और विस्तार करेगी, जिसमें जयपुर, लखनऊ और रांची जैसे स्थान शामिल होंगे। साथ ही ऐसे छोटे शहर भी होंगे जहां कंपनी की अभी कोई मौजूदगी नहीं है। उन्होंने कहा, ''मिनी के लिए हम फिलहाल करीब नौ शहरों में मौजूद हैं। हम अगले साल शहरों की संख्या दोगुनी करना चाहते हैं, ताकि मेट्रो शहरों से बाहर भी हमारी मौजूदगी हो। छोटे बाजारों से भी अब धीरे-धीरे काफी मांग आने लगी है।''

कौशल-उन्मुख शैक्षणिक कार्यक्रमों को शुरू करने की आवश्यकता है: उपराज्यपाल सिन्हा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

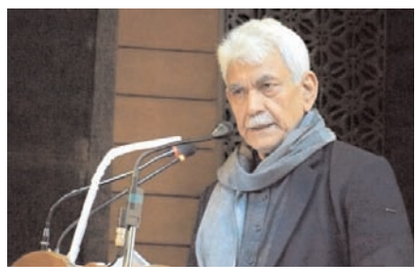

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप समकालीन, अंतर्विषयक और कौशल-उन्मुख शैक्षणिक कार्यक्रमों को शुरू करने की आवश्यकता है।

एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि सिन्हा ने यहां लोक भवन में कश्मीर विश्वविद्यालय (केयू) के विश्वविद्यालय परिषद की 84वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह बात कही। इस बैठक में जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और कई विश्वविद्यालयों के कुलपति शामिल हुए।

कश्मीर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति सिन्हा ने कहा, ''विश्वविद्यालय को नवाचार, रोजगार दिलाने के कौशल और उद्यमिता पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, साथ ही यह सुनिश्चित करना चाहिए कि शैक्षणिक पहल स्थानीय और क्षेत्रीय विकास आवश्यकताओं के अनुरूप हों।'' उन्होंने विश्वविद्यालय को उभरती शैक्षणिक और औद्योगिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एकीकृत और व्यावसायिक कार्यक्रमों को मजबूत करने की सलाह भी दी। विश्वविद्यालय परिषद ने कई महत्वपूर्ण शैक्षणिक और प्रशासनिक एजेंडा से जुड़े मदों को सैद्धांतिक मंजूरी प्रदान की।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण गंभीर स्तर पर पहुंचा, एक्यूआई 400 पार

नई दिल्ली/ नोएडा/भाषा। दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में रविवार को वायु प्रदूषण गंभीर स्तर पर पहुंच गया जहां वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 400 पार रहा। यह जानकारी केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने दी। राष्ट्रीय राजधानी में रातभर घनी धुंध छाई रही, जिससे लोगों को सांस लेने में कठिनाई हुई।

सीपीसीबी के अनुसार, सुबह दिल्ली का एक्यूआई 459, नोएडा का 469 और ग्रेटर नोएडा का एक्यूआई 442 मापा गया। सीपीसीबी के मानकों के अनुसार, एक्यूआई 0 से 50 के बीच 'अच्छा', 51 से 100 'संतोषजनक', 101 से 200 'मध्यम', 201 से 300 'खराब', 301 से 400 'बेहद खराब' और 401 से 500 'गंभीर' माना जाता है। मौसम विभाग के अनुसार, राजधानी में न्यूनतम तापमान सामान्य से 0.4 डिग्री कम 8.2 डिग्री सेल्सि. रहा और अधिकतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, साढ़े आठ बजे सापेक्ष आर्द्रता 100% दर्ज की गई। बिगड़ती वायु गुणवत्ता को देखते हुए, दिल्ली शिक्षा निदेशालय ने शनिवार को सभी स्कूलों को नौवीं व 11वीं की पढ़ाई 'हाईब्रिड मोड' पर कराने का निर्देश दिया। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण के स्तर को और बिगड़ने से रोकने के लिए 'चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना' (ग्रैप) के चौथे चरण के तहत सख्त प्रतिबंध शनिवार से लागू किए।

निर्वाचन आयोग पर प्रश्न चिह्न लग रहे, कोई जवाब नहीं दिया जा रहा: पायलट

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने रविवार को कहा कि वर्तमान समय में निर्वाचन आयोग को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं, लेकिन कोई जवाब नहीं दिया जा रहा। उन्होंने कांग्रेस की 'वोट चोर गद्दी छोड़' रैली में यह दावा किया कि सत्ता में बैठे लोग किसान, बेरोजगारी, महंगाई पर चर्चा नहीं करना चाहते तथा सिर्फ धर्म की राजनीति हो रही है। पायलट ने कहा, ''विपक्ष की आवाज दबाई जा रही है, हम लोग जानते हैं।'' उनका कहना था, ''चुनाव में हार-जीत होती रहती है, लेकिन चुनाव प्रणाली और निर्वाचन आयोग निष्पक्ष होना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने संसद में कई बातें रखीं, लेकिन सरकार के पास कोई जवाब नहीं है।

केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार ने मेस्सी के कार्यक्रम को लेकर राहुल पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए हैदराबाद में आयोजित महान फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी के 'जीओएटी इंडिया टूर 2025' कार्यक्रम में शामिल होने को लेकर उनकी आलोचना की और आरोप लगाया कि तेलंगाना के दर्द पर एक फुटबॉल स्टार को प्राथमिकता दी गई।

गृह राज्य मंत्री कुमार ने एक पोस्ट में कहा कि राहुल गांधी ने वादा किया था कि जब लोगों को उनकी जरूरत होगी, तो वे एक मिनट में तेलंगाना में होंगे। हालांकि, वह एक मिनट स्पष्ट रूप से एक ''लक्जरी टाइम जोन'' में चलता है। कुमार ने कहा, ''उनकी घड़ी तेलंगाना के लोगों के लिए कभी नहीं चलती। यह सिर्फ वीआईपी कार्यक्रम और फोटो खिंचवाने के मौकों पर चलती है। तेलंगाना के दर्द से अधिक एक फुटबॉल स्टार को प्राथमिकता दी गई।'' राहुल गांधी शनिवार दोपहर यहां पहुंचे थे। वह मेस्सी और उनके इंटर मियामी टीम के साथी लुइस सुआरेज और रोड्रिगो डी पॉल और मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के साथ कार्यक्रम के अंत में सम्मान समारोह में शामिल हुए। कुमार ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि तेलंगाना में कांग्रेस सरकार लोगों की जान से खिलवाड़ कर रही है।

ईडी का 2026 की शुरुआत तक पुराने फेरा मामलों को निपटाने का लक्ष्य

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम (फेरा) के तहत दर्ज मामलों को निपटाने का फैसला किया है। यह कानून 25 साल से अधिक पहले 1998 में खत्म कर दिया गया था।

वर्ष 1973 के आपराधिक प्रावधानों से युक्त फेरा कानून की जगह जून 2000 में विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) ने लिया, जो एक दीवानी कानून है।

अधिकारियों ने पीटीआई-भाषा को बताया कि संघीय जांच एजेंसी ने ऐसे करीब 400-500 मामलों की पहचान की है, जिनमें फेरा के तहत विभिन्न अदालतों में लंबित मामलों को तेजी से निपटाया जा सकता है। इन मामलों में आरोपी व्यक्ति की या तो मृत्यु हो चुकी है, या उनका कोई पता नहीं है, जिन संपत्तियों को लेकर सवाल थे, वे नीलाम हो चुकी हैं या अब हैं ही नहीं।

भाजपा को 400 सीट नहीं मिली तो गरीबों के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं : रेड्डी

नई दिल्ली/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार को दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को पिछले लोकसभा चुनाव में 400 सीटें नहीं मिली तो अब विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के नाम पर दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक और गरीबों के नाम मतदाता सूचियों से काटे जा रहे हैं।

उन्होंने यहां रामलीला मैदान में कांग्रेस की 'वोट चोर, गद्दी छोड़' रैली में यह भी कहा कि 'वोट चोरी' के खिलाफ इस लड़ाई में कार्यकर्ताओं को राहुल गांधी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा होना होगा। रेड्डी ने कहा,''जब इनको (भाजपा) 400 सीट नहीं मिली तो एसआईआर के नाम पर दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक और गरीबों के वोट खत्म करने में जुट गए हैं।'' उनका कहना था, ''यह 'वोट चोरी' की समस्या कांग्रेस की नहीं, बल्कि देश की है। हम लोगों को राहुल गांधी जी की इस लड़ाई को मजबूत करना है। वरना ये लोग गरीबों का हक छीन लेंगे।'' रेड्डी ने कहा, ''हमें राहुल गांधी का सिपाही बनकर मोदी के खिलाफ लड़ना है।'' हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भाजपा पर ''वोट चोरी'' के जरिए सरकारें बनाकर और लोगों के वोटों की ताकत को कमजोर करके लोकतंत्र को हानि पहुंचाने का आरोप लगाया।

मेस्सी ने हैदराबाद के खेल प्रेमियों को मंत्रमुग्ध किया, तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने जताया आभार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी तथा उनकी इंटर मियामी टीम के साथी खिलाड़ियों लुइस सुआरेज एवं रोड्रिगो डी पॉल का यहां आयोजित 'जीओएटी भारत दौरा 2025' के दूसरे चरण में खेल प्रेमियों, विशेषकर युवाओं का मनोरंजन करने के लिए रविवार को आभार जताया। शनिवार शाम हैदराबाद में मेस्सी का कार्यक्रम सुव्यवस्थित तैयारी, सुनियोजित योजना और अनुशासन के कारण सकारात्मक तरीके से समाप्त हुआ।

रेड्डी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''मैं जी.ओ.ए.टी. (सर्वकालिक महान) मेस्सी, फुटबॉल के दिग्गज खिलाड़ियों लुइस सुआरेज और रोड्रिगो डी पॉल का तहे दिल से आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने हमारे निमंत्रण को स्वीकार किया और हमारे शहर हैदराबाद में आकर खेल प्रेमियों, विशेषकर युवाओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। हम हमारे नेता राहुल गांधी के भी आभारी हैं जिन्होंने हमारे साथ इसमें शामिल होकर इस शाम को यादगार बना दिया।'' रेड्डी ने शहर भर में तैनात किए गए सभी अधिकारियों, सुरक्षा कर्मियों, आयोजकों और स्टाफ का भी यह सुनिश्चित करने के लिए आभार व्यक्त किया कि तेलंगाना दुनिया के सामने यह दिखाने में सक्षम हो कि ''तेलंगाना का अर्थ है खेल, तेलंगाना का अर्थ है उत्कृष्टता और तेलंगाना का अर्थ है आतिथ्य-सत्कार।''

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने सरकार की ओर से सभी खेल प्रेमियों और प्रशंसकों का भी धन्यवाद किया जिन्होंने ''हमारे अतिथियों की मेजबानी करते समय'' अनुशासित और उत्कृष्ट व्यवहार प्रदर्शित किया।

मेमोरी चिप की कमी, कमजोर रुपए के कारण जनवरी से टीवी हो सकते हैं महंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मेमोरी चिप की बढ़ती लागत और रुपए के अवमूल्यन के कारण अगले साल जनवरी से टेलीविजन की कीमतों में तीन से चार प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है। रुपए का मूल्य हाल ही में पहली बार 90 प्रति डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है। रुपए में गिरावट ने उद्योग को असुरक्षित स्थिति में डाल दिया है, क्योंकि एक एलईडी टीवी में घरेलू मूल्य संवर्धन केवल लगभग 30 प्रतिशत है और मुख्य घटक जैसे ओपन सेल, सेमीकंडक्टर चिप और मदरबोर्ड आयात किए जाते हैं।

इसके अलावा यह समस्या मेमोरी चिप संकट से भी जुड़ी हुई है, जहां एआई सर्वरों के लिए हाई-बैंडविड्थ मेमोरी (एचबीएम) की भारी मांग के कारण वैश्विक स्तर पर गंभीर कमी हो गई है, जिससे सभी प्रकार की मेमोरी (डीआरएएम, फ्लैश) की कीमतें आसमान छू रही हैं।

चिप विनिर्माता कंपनियां उच्च लाभ वाले एआई चिप पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं, जिससे टीवी जैसे पारंपरिक उपकरणों के लिए आपूर्ति कम हो रही है।

हायर अप्लायंसेज इंडिया के अध्यक्ष एन एस सतीश ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि मेमोरी चिप की कमी और कमजोर रुपए के कारण एलईडी टीवी सेटों की कीमतों में तीन प्रतिशत की वृद्धि होगी।

कुछ टीवी विनिर्माताओं ने कीमतों में संभावित वृद्धि के बारे में अपने डीलरों को पहले ही सूचित कर दिया है।

थॉमसन, कोडक और ब्लाउपुंक्ट सहित कई वैश्विक ब्रांडों के लाइसेंस रखने वाली टीवी विनिर्माता कंपनी सुपर प्लास्ट्रोनिक्स प्राइवेट लिमिटेड (एसपीपीएल) ने कहा, ''पिछले तीन महीनों में मेमोरी चिप की कीमतों में 500 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।''

एसपीपीएल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अवनीत सिंह मारवाह के अनुसार, मेमोरी चिप संकट और रुपए के अवमूल्यन के प्रभाव के कारण जनवरी से टेलीविजन की कीमतों में सात से 10 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है।

नई दिल्ली में रविवार को लोकसभा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी पार्टी प्रेसिडेंट मल्लिकार्जुन खरगे और सोनिया गांधी, केसी वेणुगोपाल, रविवार को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में 'वोट चोर, गद्दी छोड़' रैली के दौरान।

'वोट चोरी' भारत की मूल अवधारणा पर हमला : मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर कथित 'वोट चोरी' को लेकर निशाना साधते हुए कहा कि फासीवाद की शुरुआत सड़कों पर हिंसा से नहीं होती, बल्कि यह संस्थानों की चोरी, व्यवस्थाओं में धीमे हेरफेर और अंत में चुनावों की चोरी से शुरू होता है। मुख्यमंत्री ने 'वोट चोरी' को भारत की मूल अवधारणा पर हमला करार देते हुए कहा कि कर्नाटक के आलंद निर्वाचन क्षेत्र में लगभग 6,000 मतदाताओं के नाम हटाने के कथित प्रयास के आरोप में पूर्व भाजपा विधायक, उनके बेटे और अन्य लोगों के खिलाफ विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा आरोप पत्र दाखिल करना एक महत्वपूर्ण कानूनी कदम है।

सिद्दरामय्या दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस द्वारा आयोजित 'वोट चोर गद्दी छोड़' रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि दुनिया भर के सत्तावादी शासन लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बचाने का नाटक करते हुए उसमें धांधली करते हैं और भाजपा आज यही कर रही है। उनके अनुसार, ''भाजपा संस्थाओं पर कब्जा करती है, चुनाव मशीनरी को डराती है, मतदाता सूचियों को विकृत करती है और विपक्ष के क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत को कम करने की कोशिश करती है।'' उन्होंने कहा कि ''चुराए गए वोटों'' से जन्मी सरकार लोकतांत्रिक नहीं, बल्कि एक ऐसी सरकार है जो लोगों से डरती है, जनादेश में हेरफेर करती है और केवल छल से जीवित रहती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद से गणराज्य के लिए भाजपा की 'वोट चोरी' सबसे बड़ा खतरा है। सिद्दरामय्या ने कहा कि इस कठिन समय में राहुल गांधी एकमात्र नेता हैं जो वोट चोरी'के खिलाफ पूरी ताकत से डंटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मतदाता सूचियों में विसंगतियों, बूथ स्तर पर हेरफेर और व्यवस्थित, संगठित वोट चोरी की ओर इशारा करने वाले पैटर्न की जांच की और जनता के समक्ष लाया। सिद्दरामय्या ने कहा, ''वोट चोरी केवल संख्याओं का खेल नहीं है, यह हमारे गणराज्य की आत्मा, गरिमा और समानता का मामला है।''

कर्नाटक में कांग्रेस नेता शमनुरू शिवशंकरप्पा का निधन

बेंगलूरु। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शमनुरु शिवशंकरप्पा का रविवार को बेंगलूरु के एक निजी अस्पताल में आयु संबंधी बीमारियों के कारण निधन हो गया। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। शिवशंकरप्पा 95 वर्ष के थे, और दावणगेरे दक्षिण विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते थे। वह कुछ समय से अस्पताल में उपचार करा रहे थे। उनके परिवार में तीन बेटे और चार बेटियां हैं। उनके बेटों में कर्नाटक के खान और भूविज्ञान एवं बागवानी मंत्री एस एस मल्लिकार्जुन भी शामिल हैं। उनकी बहू प्रभा मल्लिकार्जुन दावणगेरे से संसद सदस्य हैं।

पूर्व मंत्री शिवशंकरप्पा ने कई दशकों तक कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के कोषाध्यक्ष के रूप में कार्य किया और वह प्रभावशाली वीरशैव-लिंगायत समुदाय की सर्वोच्च संस्था 'ऑल इंडिया वीरशैव महासभा' के अध्यक्ष थे। वह एक प्रख्यात शिक्षाविद और एक उद्योगपति भी थे। उन्होंने कई शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना की।

पूर्व विधायक ने हवाई यात्रा के दौरान अपनी अमेरिकी सह-यात्री की बचाई जान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पेशे से चिकित्सक कर्नाटक की पूर्व विधायक अंजलि निंबालकर ने गोवा-नयी दिल्ली उड़ान के दौरान एक अमेरिकी महिला यात्री की अचानक तबीयत बिगड़ने पर उसकी जान बचाई। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक यह घटना उस समय हुई, जब कांग्रेस की गोवा, दमन और दीव तथा दादरा नगर हवेली इकाई की सह-प्रभारी एवं सचिव निंबालकर रविवार को रामलीला मैदान में कांग्रेस द्वारा आयोजित 'वोट चोरी' रैली में शामिल होने के लिए दिल्ली जा रही थीं।

उन्होंने बताया कि निंबालकर ने एक सहयात्री को बेचैनी और कंपकंपी की शिकायत होने के बाद 'कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन' (सीपीआर) देकर उसकी जान बचाई। अमेरिकी महिला यात्री विमान में बेहोश हो गई थी और उसकी नब्ज रुक गई थी। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, निंबालकर पूरी उड़ान के दौरान मरीज के पास ही रहीं, उसकी चिकित्सा संबंधी जरूरतों पर लगातार ध्यान देती रहीं और उसे दिलासा देती रहीं। सूत्रों के अनुसार दिल्ली में उतरने के तुरंत बाद, अस्वस्थ विदेशी यात्री को एम्बुलेंस द्वारा अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने कहा कि निंबालकर द्वारा समय पर की गयी कार्रवाई की यात्रियों और चालक दल के सदस्यों ने सराहना की।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने निंबालकर की प्रशंसा करते हुए 'एक्स' पर लिखा, गोवा-नयी दिल्ली की उड़ान के दौरान खानपुर की पूर्व विधायक डॉ. अंजलि निंबालकर द्वारा दिखाई गई उल्लेखनीय सूझबूझ और करुणा के बारे में सुनकर मैं अत्यंत भावुक और बेहद गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं।

जब हवाई यात्रा के दौरान एक अमेरिकी महिला को चिकित्सकीय आपात स्थिति का सामना करना पड़ा, तो डॉ. अंजलि ने तुरंत स्थिति को संभाला और समय पर सीपीआर देकर एक अनमोल जान बचाई। मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए निंबालकर ने कहा कि उन्होंने एक चिकित्सक के रूप में अपना कर्तव्य निभाया है।

छूट गईं पात्र महिलाओं को योजना में शामिल करके प्रति माह 1,000 रुपये की सहायता दी जाएगी : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धर्मपुरी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने रविवार को कहा कि महिलाओं के लिए 1,000 रुपये प्रति माह की सहायता योजना में अगर कुछ अन्य पात्र महिलाएं छूट भी गई हैं तो उन्हें भी इस कल्याणकारी पहल के दायरे में लाया जाएगा। स्टालिन ने यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आरबीआई के आंकड़ों का हवाला दिया और कहा कि तमिलनाडु ने 16 प्रतिशत की दर से सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) वृद्धि में शीर्ष स्थान हासिल किया है और यह उपलब्धि कई बाधाओं के बावजूद प्राप्त हुई है।

स्टालिन ने बताया कि महिलाओं के लिए 1,000 रुपये

प्रति माह की सहायता प्रदान करने वाली 'अधिकार' योजना के लाभार्थियों की संख्या बढ़कर 1.30 करोड़ हो गई है और कुछ दिन पहले ही 17 लाख पात्र लोगों को इसमें शामिल किया गया था। मुख्यमंत्री ने कहा, अगर कुछ अन्य पात्र महिलाएं छूट गई हैं और वे अपना पक्ष रखती हैं, तो उन्हें योजना के तहत सहायता प्रदान की जाएगी। मैंने यह भी कहा है कि सहायता राशि भी बढ़ाई जाएगी।

स्टालिन ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विषय पर कहा, हमें अपने मताधिकार की रक्षा करनी है और हमने पूरी सतर्कता से अपना काम किया है। उन्होंने कहा, विधानसभा चुनाव होने तक (जो अगले साल मार्च-अप्रैल तक होने वाले हैं) और परिणाम घोषित होने तक हमारा काम जारी रहेगा। आपको यह नहीं भूलना चाहिए। मुख्यमंत्री ने इसके अलावा कहा कि पार्टी पदाधिकारियों को जनता तक पहुंचना चाहिए और सरकार की उपलब्धियों व कल्याणकारी उपायों के बारे में बताना चाहिए। उन्होंने कहा, पार्टी को सातवीं बार सरकार बनाने का गौरव प्राप्त होना चाहिए और राज्य का विकास जारी रहना चाहिए।

पुलिस ने विजय की इरोड बैठक के लिए अनुमति दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इरोड। पुलिस ने रविवार को तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख विजय की 18 दिसंबर को इरोड में होने वाली जनसभा के लिए अनुमति दे दी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पार्टी के मुख्य समन्वयक के. ए. सेंगोट्टैयन ने तीन दिन पहले पुलिस एवं राजस्व विभाग में एक आवेदन देकर विजय की सभा को विजयमंगलम में पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न एक बजे तक आयोजित करने की अनुमति मांगी थी। यह भूमि एचआर एंड सीई के नियंत्रण में स्थित एक निजी मंदिर की है।

पुलिस ने आयोजकों से 84 मांगें पूरी करने को कहा लेकिन एचआर एंड सीई ने तुरंत अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी नहीं किया। रविवार को टीवीके प्रतिनिधियों की मंदिर प्राधिकारियों से मुलाकात के बाद, उन्होंने अपनी 16 एकड़ जमीन पर बैठक आयोजित करने के लिए आवश्यक एनओसी पुलिस को दी। इस पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस अधीक्षक ए. सुजाता ने

पुलिसकर्मियों के साथ इलाके का दोबारा निरीक्षण किया और बैठक की अनुमति दी।

उन्होंने टीवीके को मंदिर के किराए के तौर पर 50 हजार रुपये और सुरक्षा जमा के तौर पर 50 हजार रुपये देने को कहा। टीवीके के पदाधिकारियों ने अनुमति देने के लिए पुलिस और एचआर एंड सीई का आभार व्यक्त किया। इससे पहले, सेंगोट्टैयन ने संवाददाताओं से कहा कि 18 दिसंबर को प्रस्तावित जनसभा की तैयारियों का काम जारी है। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों के साथ विजयमंगलम टोल नाके के पास स्थित प्रस्तावित बैठक स्थल का निरीक्षण किया।

सेंगोट्टैयन ने संवाददाताओं से कहा, हमारे नेता को जनता का भरपूर समर्थन प्राप्त है। टीवीके का कोई प्रतिद्वंद्वी नहीं है। जनता के अपार समर्थन के बल पर विजय अगले साल के चुनाव में मुख्यमंत्री बनेंगे। सभा की तैयारियों को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि तैयारियां रविवार से शुरू हो गई हैं और लोग स्वयं आकर इसे देख सकते हैं।

उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी उम्मीदवारों की घोषणा को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा, इस बारे में हमारे पार्टी प्रमुख स्वयं औपचारिक घोषणा करेंगे। अन्नाद्रमुक से निष्कासित नेता वी के शशिकला के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल होने की अटकलों पर पूछे जाने पर सेंगोट्टैयन ने कहा, इस बारे में आप उनसे ही पूछिए।

चुनावी परिदृश्य का अनुमान कोई नहीं लगा सकता। हमें इंतजार करना होगा। नौ बार विधायक और मंत्री रह चुके सेंगोट्टैयन 27 नवंबर को टीवीके प्रमुख विजय की मौजूदगी में पार्टी में शामिल हुए थे, जिसके बाद उन्हें पार्टी का मुख्य समन्वयक नियुक्त किया गया था।

विजय की इरोड बैठक की तैयारियों का काम जारी : सेंगोट्टैयन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इरोड। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख विजय की 18 दिसंबर को प्रस्तावित जनसभा की तैयारियों का काम जारी है। पार्टी के मुख्य समन्वयक के ए सेंगोट्टैयन ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह बैठक जिले के विजयामंगलम में सुबह 11 बजे से दोपहर एक बजे के बीच आयोजित की जाएगी। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों के साथ विजयामंगलम टोल नाके के पास स्थित प्रस्तावित बैठक स्थल का निरीक्षण किया। यह स्थल एचआरएंडसीई के नियंत्रण वाले एक निजी मंदिर की 16 एकड़ भूमि है। रविवार दोपहर तक एचआरएंडसीई ने पार्टी को वहां बैठक आयोजित करने की अनुमति नहीं दी थी।

सेंगोट्टैयन ने संवाददाताओं से कहा कि उन्हें जगह के लिए अनुमति मिलने की उम्मीद है क्योंकि पुलिस द्वारा निर्धारित सभी 84 शर्तें पूरी कर ली गई हैं। अनुमति मिलने की उम्मीद में पार्टी कार्यकर्ताओं ने स्थल की सफाई शुरू कर दी। सेंगोट्टैयन ने संवाददाताओं से कहा, हमारे नेता को जनता का भरपूर समर्थन प्राप्त है। टीवीके का कोई प्रतिद्वंदी नहीं है। जनता के अपार समर्थन के बल पर विजय अगले साल के चुनाव में मुख्यमंत्री बनेंगे। सभा की तैयारियों को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि तैयारियां रविवार से शुरू हो गई हैं और लोग स्वयं आकर इसे देख सकते हैं।

संस्थानों को लोकतंत्र में अपनी सीमाओं को जानना और उनका सम्मान करना चाहिए : केरल के राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने रविवार को कहा कि लोकतंत्र में हर संस्था की अपनी सीमाएं होती हैं और सुचारु लोकतांत्रिक कामकाज उन सीमाओं को जानने और उनका सम्मान करने पर निर्भर करता है। राज्यपाल ने पूर्व प्रधान न्यायाधीश और केरल के पूर्व राज्यपाल न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) पी. सदाशिवम को न्यायमूर्ति वी. आर. कृष्ण अय्यर पुरस्कार प्रदान करने के बाद मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। यह पुरस्कार लॉ ट्रस्ट (कानूनी सहायता और कल्याण ट्रस्ट) द्वारा स्थापित किया गया है।

अर्लेकर का बयान हाल ही में उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए उस निर्देश के संदर्भ में आया है, जिसमें केरल के दो तकनीकी विश्वविद्यालयों में कुलपति की नियुक्ति के लिए एक-एक नाम की सिफारिश करने के वास्ते न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की अध्यक्षता में एक समिति गठित करने का निर्देश दिया गया है। यह निर्देश राज्यपाल और केरल के मुख्यमंत्री के बीच इस मुद्दे पर जारी गतिरोध को सुलझाने के प्रयास में दिया गया है। केरल लोक भवन द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि राज्यपाल ने लोकतंत्र में एक संस्था द्वारा दूसरी संस्था की भूमिका हथियाने की प्रवृत्ति की निंदा की है। बयान के मुताबिक, उन्होंने कहा कि 'संविधान में संशोधन करने की शक्ति संसद और निर्वाचित विधायिका के पास है, और अदालतें संविधान की व्याख्या करने के लिए हैं, न कि संविधान में संशोधन करने के लिए'। राज्यपाल ने कहा कि एक ही मामले/मुद्दे पर विरोधाभासी व्याख्याएं/निर्णय संविधान की सच्ची भावना के अनुरूप नहीं हैं। बयान में कहा गया, वह कन्नूर विश्वविद्यालय के कुलपति की नियुक्ति पर उच्चतम न्यायालय के तीन सदस्यीय पीठ द्वारा दिये गए के फैसले का जिक्र कर रहे थे।

उपराष्ट्रपति ने तमिल स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित किए जाने की सराहना की

नई दिल्ली/चेन्नई। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने रविवार को उन तमिल राजाओं, नेताओं और स्वतंत्रता सेनानियों को मान्यता और सम्मान देने के प्रयासों की सराहना की, जिन्हें पहले उचित मान्यता नहीं मिली थी। राधाकृष्णन ने ये टिप्पणियां सम्राट पेरुम्बिडुगु मुथारैयार द्वितीय के सम्मान में एक स्मारक डाक टिकट जारी करने के अवसर पर यहां आयोजित एक कार्यक्रम में कीं। उपराष्ट्रपति सचिवालय ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि राधाकृष्णन ने तमिल संस्कृति और भाषा को निरंतर समर्थन देने के लिए नरेन्द्र मोदी सरकार की सराहना की। उपराष्ट्रपति ने काशी तमिल संगमम जैसी पहलों और उन तमिल राजाओं, नेताओं और स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मान देने के प्रयासों की प्रशंसा की, जिन्हें पहले उचित मान्यता नहीं मिली थी।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि सम्राट पेरुम्बिडुगु मुथारैयार की स्मृति में जारी किया गया स्मारक डाक टिकट इसी मान्यता का एक हिस्सा है। उन्होंने कहा कि गुमनाम नायकों को सम्मानित करना राष्ट्र के सांस्कृतिक गौरव को पुनर्जीवित करने के लिए आवश्यक है, क्योंकि 'भारत विकसित भारत' बनने की दिशा में अग्रसर है। इस अवसर पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश और सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री एल मुरुगन उपस्थित थे।

शबरीमला जाने के लिए वन मार्गों से श्रद्धालुओं की आमद में भारी वृद्धि : टीडीबी

पत्तनमतिट्टा/भाषा। मौजूदा तीर्थयात्रा के मौसम के दौरान पारंपरिक वन मार्गों से शबरिमला स्थित भगवान अयप्पा मंदिर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड (टीडीबी) के अनुसार, विभिन्न वन मार्गों से होते हुए अब तक कुल 1,02,338 तीर्थयात्री सन्निधानम (मंदिर परिसर) पहुंच चुके हैं। टीडीबी ने एक बयान में कहा, इनमें से 37,059 श्रद्धालुओं ने अझुथाकडावु-पंबा मार्ग का उपयोग किया, जिसमें प्रतिदिन औसतन 1,500 से 2,500 तीर्थयात्री आते हैं।

अन्य 64,776 श्रद्धालुओं ने सथराम मार्ग को चुना, जिससे प्रतिदिन 4,000 से 5,000 श्रद्धालु पहुंचते हैं। अधिकारियों को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में वन मार्गों का उपयोग करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में और वृद्धि होगी। इस बीच, शबरिमला दर्शन के लिए आने वाले तीर्थयात्रियों की कुल संख्या इस सीजन में 24 लाख से अधिक हो गई है। पंबा-शबरिमला मार्ग से 13 दिसंबर तक कुल 23,47,554 श्रद्धालु सन्निधानम पहुंचे।

वन मार्ग से आने वाले तीर्थयात्रियों को मिलाकर तीर्थयात्रियों की कुल संख्या 24 लाख से अधिक हो गई है। टीडीबी के अनुसार, वर्तमान में औसतन लगभग 80,000 तीर्थयात्री प्रतिदिन शबरिमला पहुंच रहे हैं। इस सीजन में सबसे अधिक भीड़ आठ दिसंबर को दर्ज की गई, जब 1,01,844 श्रद्धालुओं ने मंदिर के दर्शन किए। बयान में कहा गया है कि इससे पहले, 24 नवंबर को भी तीर्थयात्रियों की संख्या एक लाख का आंकड़ा पार कर 1,00,867 तक पहुंच गई थी।

स्थानीय निकाय चुनाव के नतीजों से आगामी विधानसभा रोमांचक हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल विधानसभा चुनाव अगले साल के पूर्वार्ध में होंगे और ऐसे में स्थानीय निकाय चुनावों के परिणामों ने स्थिति रोमांचक बना दी है। कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ को इन नतीजों से अगली लड़ाई में अनुकूल स्थिति दिखाई दे रही है जबकि सत्तारूढ़ वाम मोर्चा के लिए अधिक चुनौतीपूर्ण हालात के संकेत मिलते हैं। इन नतीजों से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) भी उत्साहित है और उसे संभावनाएं नजर आ रही हैं। मौजूदा केरल विधानसभा में पार्टी का कोई विधायक नहीं है। राज्य चुनाव आयोग द्वारा शनिवार को घोषित नतीजों के मुताबिक स्थानीय निकाय चुनाव में संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने कुल 1,199 स्थानीय निकायों में से चार निगम, 54 नगरपालिकाएं, सात जिला पंचायतें, 79 प्रखंड पंचायतें और 505 ग्राम पंचायतों में जीत दर्ज की है। वहीं, सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) ने एक नगर निगम, 28 नगरपालिकाओं, सात जिला पंचायतों, 63 प्रखंड पंचायतों और 340 ग्राम पंचायतों में जीत हासिल की जबकि भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने एक निगम, दो नगरपालिकाओं और 26 ग्राम पंचायतों में विजयी रहा है।

स्थानीय निकाय चुनावों में मिली शानदार जीत यूडीएफ के लिए संजीवनी बन गई है, जिसे एक महत्वपूर्ण विधानसभा चुनाव का सामना करना पड़ रहा है, जबकि भाजपा के नेतृत्व वाले राजग के प्रभावशाली प्रदर्शन ने राज्य की पारंपरिक द्विध्रुवीय राजनीति को प्रभावी रूप से क्षीण किया है। एलडीएफ के लिए विधानसभा चुनाव से पहले के महीने महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि उसे यह साबित करना होगा कि उसका जमीनी स्तर का समर्थन आधार बरकरार है और लगातार तीसरी बार सत्ता में आने की क्षमता है। इन नतीजों के आने के बाद यूडीएफ ने स्पष्ट किया है कि वह जीत से अतिआत्मविश्वास में नहीं आया है और स्वीकार किया कि उसे गति बनाए रखने के लिए और अधिक मेहनत करनी होगी। वहीं, सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के राज्य नेतृत्व ने कांग्रेस के आरोपों को खारिज करते हुए अपनी हार का कारण अप्रत्याशित राजनीतिक घटनाक्रमों को बताया।

भाजपा के राज्य नेतृत्व ने कहा कि नगर निगम चुनावों में मिली यह उपलब्धि आगामी विधानसभा चुनावों में उन्हें और अधिक मजबूती से आगे बढ़ने में मदद करेगी। प्रमुख राजनीतिक गठबंधन अपनी सफलताओं और असफलताओं के कारणों का विश्लेषण करने में व्यस्त हैं। प्रतिष्ठित तिरुवनंतपुरम नगर निगम पर कई दशकों से एलडीएफ का कब्जा था लेकिन इसपर भाजपा की जीत दोनों पारंपरिक मोर्चों के लिए एक बड़ा झटका साबित हुई है।

यूडीएफ के मुताबिक शबरिमला मामले, भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद, सांप्रदायिक तुष्टीकरण और जनता से जुड़ाव में कमी जैसे मुद्दों के कारण उत्पन्न सत्ता-विरोधी लहर ने भाजपा को जीत दर्ज करने में मदद की। यूडीएफ ने विभिन्न मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया विशेष रूप से राजनीतिक रूप से संवेदनशील शबरिमला सोना गबन मामला। प्रतीत होता है कि उसके अभियान ने मतदाताओं के एक व्यापक वर्ग को प्रभावित किया।

हर नागरिक के अधिकार की रक्षा के लिए है 'वोट चोरी' के खिलाफ रैली : डी के शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने रविवार को कहा कि कथित 'वोट चोरी' के खिलाफ नयी दिल्ली में कांग्रेस की रैली प्रत्येक नागरिक के मतदान के अधिकार की रक्षा के लिए है। केंद्र की भाजपा सरकार पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं के वाहनों को दिल्ली में पार्टी की विशाल रैली में भाग लेने से रोकने का आरोप लगाते हुए, कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शिवकुमार ने कहा कि रैली में भाग लेने के लिए राज्य से लगभग 3,500-4,000 पार्टी नेता और कार्यकर्ता आए हैं।

कांग्रेस ने रविवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में कथित 'वोट चोरी' के खिलाफ एक विशाल रैली का आयोजन किया। शिवकुमार ने कहा, हमने (प्रदेश कांग्रेस ने) 1,500 लोगों (पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं) के ठहरने की व्यवस्था की है, 2000 से अधिक लोगों ने अपने स्वयं के इंतजाम किए हैं। वे हवाई जहाज और ट्रेन से आए हैं। लगभग 3,500-4,000 लोग आए हैं। (हस्ताक्षर अभियान के तहत) राज्य से लगभग 1.42 करोड़ हस्ताक्षर एकत्र किए गए हैं।

नयी दिल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं में काफी उत्साह है तथा वे राज्य और देश में कांग्रेस पार्टी को बचाने और नागरिकों के मताधिकार की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, आज सुबह मुझे जो जानकारी मिली है, उसके अनुसार भाजपा और केंद्र सरकार कांग्रेस कार्यकर्ताओं के वाहनों को दिल्ली आने से रोक रही है। वे वाहनों को शहर में प्रवेश नहीं करने दे रहे हैं। मुझे नहीं पता कि वे ऐसा क्यों कर रहे हैं। मुझे नहीं पता कि भाजपा और केंद्र सरकार इतनी चिंतित क्यों हैं। लेकिन हमारी आवाज को कोई नहीं रोक सकता।

स्वच्छता समाज और सरकार की साझा जिम्मेदारी, स्वच्छता योद्धाओं का करें सम्मान और सहयोग : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि स्वच्छता समाज और सरकार की साझा जिम्मेदारी है तथा राज्य सरकार प्रदेश को स्वच्छ और सुन्दर बनाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि आमजन स्वच्छता योद्धाओं का सम्मान और सहयोग कर इनका मनोबल बढ़ाएं ताकि ये स्वच्छता की मुहिम में और तेज गति से कार्य कर सकें। उन्होंने आह्वान किया कि पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करें। शर्मा रविवार को जल महल की पाल पर आयोजित राज्य स्तरीय स्वच्छता जागरूकता एवं श्रमदान कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जल महल हमारी गौरवशाली सांस्कृतिक धरोहर है। अपनी धरोहरों, सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ बनाए रखना हर जिम्मेदार नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता और स्वच्छ पर्यावरण के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग एक बड़ी चुनौती है। इसी क्रम में राज्य सरकार प्रतिबंधित एकल उपयोग प्लास्टिक की रोकथाम के लिए एक्शन प्लान लेकर आई है।

इस अवसर पर शर्मा ने ऐतिहासिक जल महल की पाल पर श्रमदान व पौधारोपण कर स्वच्छता का संदेश दिया। उन्होंने झाड़ू लगाई और कचरा संग्रहित किया तथा उपस्थित जनसमूह को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई। शर्मा ने स्वच्छता योद्धाओं को पीपीई किट और चयनित लाभार्थियों को पीएम स्वनिधि योजना के चेक वितरित करने के साथ ही रोड स्वीपिंग मशीन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने 'इंप्लिमेंटेशन प्लान फॉर सिंगल यूज प्लास्टिक फ्री सिटीज' पुस्तिका का विमोचन किया तथा स्वच्छता के कर्तव्य पट्ट पर हस्ताक्षर भी किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2 अक्टूबर, 2014 को स्वच्छ भारत मिशन से राष्ट्रीय जागृति की शुरुआत की, जिससे देश में सड़कें और नालियां साफ होने के साथ ही लोगों की आदतों में भी बड़ा बदलाव आया। इस अभियान के तहत अब तक देशभर में 12 करोड़ से ज्यादा शौचालयों का निर्माण हुआ है। उन्होंने कहा कि आज यह मिशन जन स्वास्थ्य, महिलाओं के सम्मान और पर्यावरण जिम्मेदारी के प्रति दृष्टिकोण को नया आकार दे रहा है। साथ ही, प्रधानमंत्री द्वारा वर्ष 2017 में शुरू किया गया 'स्वच्छता ही सेवा' कार्यक्रम इस मिशन के एक प्रमुख स्तंभ के रूप में उभरा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छता के जनआंदोलन में राजस्थान प्रमुखता से कार्य कर रहा है। प्रदेश में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत 2 लाख 62 हजार व्यक्तिगत तथा 4 हजार से अधिक सामुदायिक शौचालयों का निर्माण हुआ है। वहीं 42 हजार 492 से अधिक गांवों को ओडीएफ प्लस घोषित किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा व्यापक स्तर पर संचालित किए गए वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान ने जल स्रोतों, राजकीय कार्यालयों, अस्पतालों एवं विद्यालयों आदि की साफ-सफाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं के रोजगार के सपनों को प्रतिबद्धता के साथ पूरा कर रही है। दो वर्ष के कार्यकाल में 92 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी पदों पर नियुक्तियां दी गई है। आगामी दिनों में 20 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। वहीं, 1 लाख 53 हजार से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय में कई पेपर लीक हुए, जबकि हमारी सरकार के कार्यकाल में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ। राज्य सरकार ने भ्रष्टाचारियों के विरूद्ध भी सख्त कार्रवाई की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने बिजली और पानी जैसी बुनियादी जरूरतों पर प्राथमिकता से कार्य किया है। रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, देवास, माही बांध, सोम-कमला-अंबा सहित विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से राज्य में जल संचयन तथा पानी की उपलब्धता को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसान, घरेलू उपभोक्ताओं और उद्योगों को निर्बाध बिजली आपूर्ति हेतु राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। आज प्रदेश के 22 जिलों में किसानों को दिन के समय में बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम स्वनिधि योजना के माध्यम से स्ट्रीट वेंडर्स को नई आशा, दिशा और ऊर्जा मिली है। यह योजना उन लाखों स्ट्रीट वेंडर्स को आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बना रही है, जो देश की असंगठित अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

इस अवसर पर सांसद श्रीमती मंजू शर्मा, विधायक गोपाल शर्मा और बालमुकुंदाचार्य, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, प्रमुख शासन सचिव नगरीय विकास एवं आवासन डॉ. देबाशीष पृष्टी, जयपुर नगर निगम प्रशासक श्रीमती पूनम सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

राजस्थान में पारेषण बाधाओं के कारण लगभग चार गीगावॉट सौर क्षमता प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/जयपुर। राजस्थान में अपर्याप्त पारेषण बुनियादी ढांचे के कारण लगभग 4,300 मेगावॉट सौर ऊर्जा क्षमता दिन के समय पूरी तरह कटौती का सामना कर रही है। उद्योग सूत्रों ने यह जानकारी देते हुए कहा कि इससे करीब 20,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं जोखिम में पड़ गई हैं। अदाणी, रीन्यू, सेरेंटिका, जूनिपर, जेलेस्ट्रा, एसीएमई और एम्प एनर्जी सहित कई कंपनियों की कुल 26 सौर परियोजनाएं फिलहाल अस्थायी सामान्य नेटवर्क पहुंच (टी-जीएनए) व्यवस्था के तहत बिजली की आपूर्ति कर रही हैं, क्योंकि उनकी संबंधित पारेषण प्रणालियां अभी चालू नहीं हुई हैं।

सूत्रों के मुताबिक उपलब्ध पारेषण मार्जिन के खत्म हो जाने के कारण इन संयंत्रों से दिन के समय बिजली उत्पादन पूरी तरह रोक दिया गया है। उत्तरी क्षेत्र लोड डिस्पैच सेंटर (एनआरएलडीसी) के आंकड़ों के अनुसार राजस्थान में लगभग 23 गीगावॉट की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता चालू है, जबकि पारेषण क्षमता करीब 18.9 गीगावॉट है। यह पूरी पारेषण क्षमता दीर्घकालिक सामान्य नेटवर्क पहुंच (जीएनए) वाली परियोजनाओं को आवंटित की जा चुकी है, जिससे टी-जीएनए के तहत संचालित चार गीगावॉट से अधिक क्षमता के लिए बिजली निकासी की कोई गुंजाइश नहीं बची है। इन कंपनियों ने चेतावनी दी है कि लंबे समय तक यह स्थिति बनी रहने से परियोजनाओं की व्यवहार्यता और कर्ज की अदायगी पर गंभीर असर पड़ सकता है। उद्योग प्रतिनिधियों ने सरकार से अल्पकालिक राहत उपायों पर विचार करने का आग्रह किया है, जिनमें टी-जीएनए के तहत बिजली निकासी सुधारने के लिए विशेष संरक्षण योजना (एसपीएस) लागू करना और कम उपयोग अवधि के दौरान अप्रयुक्त जीएनए मार्जिन को टी-जीएनए परियोजनाओं को आवंटित करना शामिल है।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने 'समान न्यायिक नीति' पर बल दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। 'एकीकृत न्यायिक नीति' पर बल देते हुए भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि प्रौद्योगिकी अदालतों के बीच मानकों और प्रक्रियाओं को एकरूप बनाने में मदद कर सकती है, जिससे नागरिकों को उनके स्थान की परवाह किए बिना एक 'सुगम और निर्बाध अनुभव' मिल सके। उन्होंने कहा कि संघीय ढांचे के कारण उच्च न्यायालयों की अपनी-अपनी प्रक्रियाएं और तकनीकी क्षमताएं रही हैं, लेकिन प्रौद्योगिकी की मदद से इन क्षेत्रीय बाधाओं को तोड़कर एक अधिक एकीकृत न्यायिक पारिस्थितिकी तंत्र बनाया जा सकता है।

जैसलमेर में आयोजित पश्चिम क्षेत्र क्षेत्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने राष्ट्रीय न्यायिक पारिस्थितिकी तंत्र की अवधारणा प्रस्तावित की और प्रौद्योगिकी के एकीकरण के साथ भारत की न्यायिक व्यवस्था में व्यापक सुधार का आह्वान किया। उन्होंने कहा, आज, जब प्रौद्योगिकी भौगोलिक बाधाओं को कम कर रही है और एकीकरण को संभव बना रही है, यह हमें न्याय को अलग-अलग क्षेत्रीय प्रणालियों के रूप में नहीं, बल्कि साझा मानकों, सुगम इंटरफेस और समन्वित लक्ष्यों वाले एक राष्ट्रीय पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में सोचने के लिए आमंत्रित करती है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि समय के साथ न्यायपालिका में प्रौद्योगिकी की भूमिका कैसे बदली है। उन्होंने कहा, प्रौद्योगिकी अब केवल प्रशासनिक सुविधा तक सीमित नहीं रही है। यह एक संवैधानिक औजार बन गई है, जो कानून के समक्ष समानता को मजबूत करती है, न्याय तक पहुंच को व्यापक बनाती है और संस्थागत दक्षता को बढ़ाती है। इस प्रकार, उन्होंने डिजिटल उपकरणों की मदद से न्यायिक प्रणाली में मौजूद खामियों और अंतराल को पाटने की क्षमता पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर भी विशेष बल दिया कि कैसे 'डिजिटल टूल' न्यायिक प्रणाली की कमियों को दूर कर सकते हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने बताया कि प्रौद्योगिकी न्यायपालिका को भौतिक दूरी और ब्यूरोक्रेटिक रुकावटों को लांघने करने में मदद करती है।

प्रदेश में 8 फ्लाइंग स्कूलों का होगा संचालन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार द्वारा उड्डयन के क्षेत्र में निरंतर कार्य किये जा रहे हैं। राज्य सरकार का सतत प्रयास है कि प्रदेश बेहतर एयर कनेक्टिविटी और अत्याधुनिक हवाई सुविधाओं के लिए देश-विदेश में अपनी पहचान बनाए। राज्य सरकार द्वारा राजस्थान उड्डयन नीति लागू करना, नए फ्लाइंग ट्रेनिंग स्कूलों का संचालन, हवाई अड्डों का विस्तार और विकास करने जैसे तमाम फैसलों से राजस्थान हवाई सुविधाओं के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करेगा।

राजस्थान जल्द ही उड्डयन प्रशिक्षण का प्रमुख केंद्र बनने की ओर अग्रसर है। किशनगढ़ और हमीरगढ़ में निजी फ्लाइंग ट्रेनिंग संस्थानों की स्थापना से राज्य में पायलट प्रशिक्षण और उड्डयन कौशल विकास की संभावनाएं बढ़ गई हैं। इससे प्रदेश के युवाओं को रोजगार और प्रशिक्षण के नए अवसर उपलब्ध होंगे। राज्य में गत एक वर्ष में 8 फ्लाइंग ट्रेनिंग स्कूलों के संचालन की कार्यवाही प्रारम्भ की गई है। फ्लाइंग ट्रेनिंग स्कूलों के सुगम संचालन के लिए एविएशन टरबाइन फ्यूल पर टैक्स की दर 26 प्रतिशत से कम कर 2 प्रतिशत की गई है।

राज्य के विभिन्न जिलों में हवाई पट्टियों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए इन हवाई पट्टियों को फ्लाइंग ट्रेनिंग स्कूलों के संचालन के लिए उपयोग में लाने का भी निर्णय लिया गया है। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा नीति भी बनाई गई है। इसके तहत हवाई पट्टियों के साथ लगती हुई भूमि पर हैंगर स्थापित करने के लिए दरों का निर्धारण भी किया जाएगा। राज्य सरकार द्वारा जारी राजस्थान नागरिक उड्डयन नीति के तहत नए हवाई अड्डों के विकास को प्राथमिकता देने के साथ ही उड्डयन सुविधाओं के बेहतर उपयोग और यात्रियों व माल परिवहन के लिए बेहतर हवाई यात्रा सेवाएं देने के लिए निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। इस नीति के लागू होने से प्रदेश में उड्डयन के क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने तथा यात्री व कार्गो कनेक्टिविटी में सुधार का नया मार्ग प्रशस्त हुआ है।

नीति के तहत पहले चरण में बाड़मेर में उत्तरलाई, उदयपुर हवाई अड्डे के उन्नयन के लिए कार्य किये जाएंगे। इसके अतिरिक्त सवाईमाधोपुर में चकचैनपुरा, नागौर, भीलवाड़ा के हमीरगढ़, सिरोही के आबूरोड़, तथा श्रीगंगानगर के लालगढ़ जाटान हवाई पट्टियों के विकास के कार्य भी किये जाएंगे। राज्य सरकार ने एयरोस्पोर्ट्स गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हवाई पट्टियों की भूमि को लीज पर उपलब्ध कराने की शर्तों को भी मंजूरी दी है। इस पहल से एडवेंचर स्पोर्ट्स, पर्यटन और ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा।

नागरिक उड्डयन के विभिन्न क्षेत्रों के विकास के लिए उड़ान प्रशिक्षण संगठन, विमान अनुरक्षण इंजिनियरिंग प्रशिक्षण संगठन, रख-रखाव मरम्मत व ओवरहॉल संगठन की स्थापना का लक्ष्य रखा गया है। पहले चरण में झालावाड़ में उड़ान प्रशिक्षण संगठन की स्थापना की जाएगी। राज्य सरकार द्वारा राजधानी जयपुर में उड्डयन सुविधाओं के विस्तार को लेकर महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा 12,778 वर्गमीटर भूमि राज्य सरकार को आवंटित की गई है, जिस पर नया स्टेट हैंगर और वीआईपी परिसर बनाया जाएगा। वहीं उदयपुर हवाई अड्डे के विस्तार हेतु 145 एकड़ निजी भूमि का अधिग्रहण प्रगति पर है। इसके अतिरिक्त उत्तरलाई हवाई अड्डे पर नागरिक एन्क्लेव और पहुंच मार्ग के लिए लगभग 63 एकड़ भूमि के अधिग्रहण की प्रक्रिया भी जारी है।

गहलोत ने तीन विधायकों द्वारा कथित 'कमीशन' लेने के मामले में जांच की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से उन खबरों का संज्ञान लेने का आग्रह किया जिनमें आरोप लगाया गया है कि तीन विधायक, 'विधायक निधि' जारी करने के बदले कथित तौर पर रिश्वत/कमीशन ले रहे हैं। गहलोत ने 'एक्स' पर लिखा,विधायकों द्वारा 'विधायक निधि' जारी करने के बदले रिश्वत/कमीशन लेने संबंधी प्रकाशित खबर अत्यंत गंभीर और चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री शर्मा व विधानसभा अध्यक्ष देवनानी को तत्काल इस मामले का संज्ञान लेते हुए इसकी उच्च स्तरीय जांच करवानी चाहिए।

उन्होंने लिखा,जनप्रतिनिधियों के लिए सार्वजनिक जीवन में शुचिता और ईमानदारी सर्वोपरि होनी चाहिए। इस कतिपय मीडिया रिपोर्ट में तीन विधायकों पर 'विधायक निधि' जारी करने के बदले रिश्वत/कमीशन लेने का आरोप लगाया गया है। उन्होंने कहा कि इन विधायकों में एक-एक विधायक कांग्रेस और भाजपा का है जबकि एक निर्दलीय विधायक है।

गहलोत ने एक अन्य पोस्ट में 'शेखावाटी क्षेत्र में यमुना का पानी नहीं पहुंचने' की खबर के हवाले से कहा,प्रेस वार्ता में 72 फीसदी वादे पूरे करने का दम भरने वाले मुख्यमंत्री शर्मा के लिए यह खबर किसी आईने से कम नहीं है। ऐसा प्रतीत होता है कि मुख्यमंत्री का जमीनी हकीकत से सरोकार पूरी तरह खत्म हो चुका है, इसीलिए उन्हें प्रदेश की वास्तविक स्थिति का भान नहीं है। उन्होंने लिखा,मुख्यमंत्री जी, प्रदेश में हाहाकार मचा है और आप दो साल का जश्न मनाने में व्यस्त हैं। आपकी सरकार की चाल तो 'नौ दिन चले अढ़ाई कोस' से भी बदतर साबित हो रही है।'

प्रवासी पक्षियों के आगमन से बदला सांभर झील का नजारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सांभर। राजस्थान की प्रसिद्ध सांभर झील का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यह झील इन दिनों गुलाबी समंदर में तब्दील नजर आ रही है। ऐसा होने का कारण हजारों प्रवासी फ्लेमिंगो पक्षियों का आगमन है। इन पक्षियों ने इस विशाल झील को 'गुलाबी समंदर' का रूप दे दिया है। झील का यह रूप देखकर पर्यटक आकर्षित हो रहे है।

यह झील लेसर फ्लेमिंगो के लिए एक खास सर्दियों की जगह है। यहां आने के लिए यह एक लंबी दूरी तय करते हैं। यह झील रूस, साइबेरिया और मंगोलिया जैसे देशों से विदेशी पक्षियों को आकर्षित करती है। इस झील में लेसर फ्लेमिंगो और ग्रेटर फ्लेमिंगो के बड़े झुंड दिखते हैं। इसके अलावा कई तरह की बत्तख और दूसरे माइग्रेटरी पक्षी भी नजर आते हैं।

पक्षी प्रेमी रोहित गंगवाल ने बताया कि सर्दियां शुरू हो चुकी है। ऐसे में कई विदेशी पक्षी सांभर लेक की ओर रुख कर रहे है। इसके साथ ही यहां फ्लेमिंगो पक्षी की भी अच्छी आवक देखने को मिल रही है। इनकी उपस्थिति से सांभर झील मानो गुलाबी-गुलाबी हो गई है। इसके अलावा भरतपुर के केवलादेव नेशनल पार्क और नेवटा बांध सहित अन्य पानी के स्त्रोतों पर देशी सहित विदेशी पक्षियों की मौजूदगी दिखाई दे रही है।

बढ़ते बकाए के बीच जयपुर डिस्कॉम ने राजस्व वसूली तेज की

जयपुर। राजस्थान की बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के सामने बढ़ते बकाए और लंबे समय से चली आ रही ढांचागत चुनौतियों के मद्देनजर जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (जेवीवीएनएल) ने राजस्व वसूली तेज की है। साथ ही सतर्कता भी बढ़ाई है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। राजस्थान में बिजली वितरण का काम तीन सरकारी डिस्कॉम - जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (जेवीवीएनएल), जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (जेडीवीवीएनएल) और अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (एवीवीएनएल) करती हैं।ये राज्य के शहरी और ग्रामीण इलाकों में 1.66 करोड़ नियमित उपभोक्ताओं को सेवाएं देती हैं, जिसमें जयपुर डिस्कॉम के 56.5 लाख उपभोक्ता शामिल हैं। ये डिस्कॉम कई साल से भारी तकनीकी और वाणिज्यिक नुकसान, बिजली चोरी और बिलों के देरी से भुगतान से जूझ रही हैं जिससे उनके वित्तीय खातों पर लगातार दबाव बना हुआ है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि राजस्व संग्रहण में सुधार और नुकसान को कम करना डिस्कॉम की शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक है।नवीनतम अभियान के तहत जयपुर डिस्कॉम ने सबसे ज्यादा बकाया वाले 10 बिजली खंड और 20 उपखंड को चिन्हित किया है। इन क्षेत्रों में 100 प्रतिशत वसूली रिकवरी सुनिश्चित करने के लिए कार्ययोजना तैयार की गई है। डिस्कॉम की अध्यक्ष आरती डोगरा ने कहा कि इनकी नियमित निगरानी मुख्यालय स्तर पर की जाएगी। उन्होंने चिन्हित किए गए उपखंड के सहायक अभियंताओं के साथ वसूली योजना की समीक्षा की है। इसमें कार्यकारी अभियंता और अधीक्षण अभियंता भी शामिल हुए। डोगरा ने कहा कि चिन्हित 20 उपखंड में 1.11 लाख से ज्यादा उपभोक्ताओं पर 193 करोड़ रुपये से ज्यादा का बकाया है। वहीं चिन्हित 10 विद्युत खंड में 1.89 लाख से ज्यादा उपभोक्ताओं पर 237 करोड़ रुपये से ज्यादा का बकाया है। उन्होंने अभियंताओं को उपभोक्ता शिविर, परामर्श और निपटान प्रणाली के जरिए राजस्व संग्रहण को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, ''जिन मामलों में नोटिस के बाद भी वसूली नहीं होती उन्हें लोक अदालतों में भेजा जाना चाहिए। जिन इलाकों में उपभोक्ता बकाया भुगतान करने को तैयार नहीं हैं वहां जरूरत पड़ने पर बिजली आपूर्ति बंद करने, ट्रांसफार्मर हटाने और यहां तक कि बिजली लाइनें हटाने जैसे सख्त कदम उठाए जाने चाहिए।

परहित से बड़ा कोई धर्म नहीं : मेघवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। एपेक्स हॉस्पिटल तथा कम्यूनिटी वेलफेयर सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को बेसिक इंग्लिश स्कूल परिसर में विशाल निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल थे। मेघवाल ने कहा कि निरोगी काया ही सबसे बड़ा सुख है।

स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन का निवास होता है। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे स्वस्थ रहेंगे, तो देश स्वस्थ रहेगा। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 तक देश को विकसित बनाने के संकल्प में सहायक सिद्ध होगा।

मेघवाल ने एपेक्स हॉस्पिटल तथा कम्यूनिटी वेलफेयर सोसाइटी द्वारा किए जा रहे जनहित के कार्य की सराहना की और कहा कि परहित से बड़ा कोई धर्म नहीं होता। दूसरों की सेवा करने वाले व्यक्तियों को हमेशा याद रखा जाता है। कम्युनिटी वेलफेयर सोसाइटी के संरक्षक राजकुमार किराडू ने स्वागत उद्बोधन दिया। उन्होंने समिति की गतिविधियों के बारे में कहा कि संस्था द्वारा 10 वर्षों से सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। इस दौरान विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के अध्यक्ष राम गोपाल सुथार, शिक्षाविद नारायण व्यास, गुमान सिंह राजपुरोहित, कम्यूनिटी वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष कन्हैया लाल भाटी और विजय आचार्य आदि अतिथि के रूप में रहे। कम्यूनिटी वेलफेयर सोसाइटी द्वारा केंद्रीय मंत्री का अभिनंदन किया गया। तत्पश्चात केंद्रीय मंत्री ने मेडिकल शिविर का मुआयना किया तथा चिकित्सा सेवा में लगे चिकित्सकों की हौसला अफजाई की।

गहलोत को पच नहीं रहा भजनलाल शर्मा का विकास : बेढम

जयपुर। गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गलत तथ्यों पर आधारित बयान जारी कर राजस्थान की जनता को भ्रमित करने का प्रयास किया है। बेढम ने कहा कि दो वर्षों में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में विकास हुआ है। यह विकास पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पच नहीं रहा है।

पूर्व सीएम ने गहलोत ने एनसीआरबी के आंकड़े नहीं देखे हैं। इनके राज में प्रदेश में जंगलराज था और हमारी सरकार के दो वर्षों में सभी प्रकार के अपराधों में लगभग 13 प्रतिशत की कमी आई है। प्रदेश में उद्योग स्थापित हुए हैं और राइजिंग राजस्थान में 35 लाख करोड़ के एमओयू किए हैं।

एसआईआर के बाद उत्तर प्रदेश में चार करोड़ मतदाता घटे : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में राज्य में मतदाताओं की संख्या में करीब चार करोड़ की कमी होने का दावा करते हुए रविवार को भाजपा कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे हर बूथ पर पूरी जिम्मेदारी से पात्र मतदाताओं का नाम सूची में जुड़वाने के लिये जुट जाएं। मुख्यमंत्री ने यहां एक समारोह में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उत्तर प्रदेश इकाई का नया अध्यक्ष निर्वाचित किये जाने के बाद अपने सम्बोधन में कहा कि 18 वर्ष से ज्यादा उम्र के हर शख्स का नाम मतदाता सूची में होना चाहिए और इस तरह उत्तर प्रदेश में मतदाताओं की संख्या 16 करोड़ होनी चाहिए।

आदित्यनाथ ने कहा कि मगर एसआईआर के बाद मतदाता सूची में जो नाम आए हैं, वे 12 करोड़ हैं। उन्होंने कहा, ''यह चार करोड़ का अंतर है। जनवरी 2025 की मतदाता सूची में कुल 15 करोड़ 44 लाख नाम थे। एक जनवरी 2026 को जो भी युवा 18 वर्ष का होगा वह मतदाता बनने का हकदार होगा तो यह संख्या बढ़नी चाहिए लेकिन यह संख्या बढ़ी नहीं, बल्कि घटी है। अब यह 12 करोड़ रह गई है।'' आदित्यनाथ ने कार्यकर्ताओं से कहा, ''यह जो चार करोड़ का अंतर है...। वह आपका विरोधी नहीं है इसमें से 85 से 90 प्रतिशत आपका मतदाता है। संयोग से भारत निर्वाचन आयोग ने एसआईआर फार्म जमा करने के लिये 14 दिन का समय बढ़ाया है। इस समय का बेहतर उपयोग हो। कार्यकर्ता हर बूथ में घर-घर जाकर पात्र लोगों के नाम मतदाता सूची में जुड़वाएं।''

प्रौद्योगिकी मनुष्यों की निर्णय क्षमता को बढ़ाये, न कि उनकी जगह ले: प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत

कटक/भाषा। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने रविवार को कहा कि प्रौद्योगिकी को मानवीय निर्णय क्षमता को बढ़ाना चाहिए, न कि उसका स्थान लेना चाहिए।

प्रधान न्यायाधीश यहां 'आम आदमी के लिए न्याय सुनिश्चित करना: मुकदमेबाजी की लागत और देरी को कम करने की रणनीतियां' विषय पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, अदालतों में लंबित मामलों से न्यायिक संरचना के हर स्तर पर, अधीनस्थ न्यायालय से लेकर संवैधानिक अदालत तक, बाधा उत्पन्न होती है। और जब शीर्ष स्तर पर बाधा उत्पन्न होती है, तो नीचे दबाव और भी बढ़ जाता है।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने लंबित मामलों को कम करने के लिए न्यायिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, ऐसा इसलिए है क्योंकि पर्याप्त अदालतों के बिना ईमानदार न्यायिक प्रणाली भी अवसंरचना संबंधी दबाव के कारण ध्वस्त हो जाएगी। न्यायमूर्ति कांत ने कहा कि कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान प्रौद्योगिकी बहुत उपयोगी साबित हुई। उन्होंने हालांकि कहा, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि प्रौद्योगिकी के अपने नकारात्मक पहलू भी हैं। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, 'डीप फेक' और 'डिजिटल अरेस्ट' के इस युग में अदालतें आशावादिता का सहारा नहीं ले सकतीं। यह सुधार गरीबों, बुजुर्गों या डिजिटल रूप से अपरिचित लोगों को बाहर रखता है, यह सुधार नहीं बल्कि प्रतिगमन है।

नगालैंड की जुकोऊ घाटी तीसरे दिन भी वनाग्नि की चपेट में

हेलीकॉप्टर से राहत अभियान चलाने की संभावना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोहिमा/भाषा। नगालैंड की मनोरम जुकोऊ घाटी तीसरे दिन भी भीषण आग की लपटों में घिरी हुई है। तेज हवाओं के कारण आग फैलती जा रही है और लपटें जापफू पर्वत शृंखला की ओर बढ़ रही हैं, जिससे पर्यावरण और सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। रविवार से हेलीकॉप्टर की मदद से पानी का छिड़काव शुरू किया जा सकता है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

कोहिमा के जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) के एक अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को लगी इस आग ने शुरू में करीब 1.3 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र को प्रभावित किया था, लेकिन मौसम में बदलाव और तेज हवाओं के कारण यह दुर्गम इलाके में फैल गई है।

डीडीएमए के अधिकारी ने बताया कि आग की स्थिति का आकलन करने के बाद जिला प्रशासन ने नगालैंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनएसडीएमए) के माध्यम से भारतीय वायुसेना से 'बांबी बकेट' से लैस एक हेलीकॉप्टर मंगाने का फैसला किया है। अधिकारियों ने कहा कि हेलीकॉप्टर की मदद से अभियान रविवार से शुरू हो सकता है।

'बांबी बकेट' एक विशेष प्रकार का उपकरण है जो हेलीकॉप्टर या विमान के जरिए आग बुझाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इसमें पानी या 'फायर रिटार्डेंट' (आग बुझाने में काम आने वाला रसायन) भरकर प्रभावित जगह पर डाल दिया जाता है। अधिकारियों ने बताया कि खड़े पहाड़ी रास्तों, घने जंगल और इलाके की दुर्गम स्थिति के कारण जमीनी स्तर पर राहत कर्मियों के हस्तक्षेप की गुंजाइश बेहद सीमित है। प्रभावित इलाका कोहिमा के पश्चिम में स्थित खोनोमा गांव के वन क्षेत्र में आता है। अधिकारियों और ग्राम प्राधिकरणों के अनुसार, चार स्थानीय 'ट्रेकर' ने अपने कैंप स्थल पर आग जलाई, जो फैल गई। वे आग बुझाने के लिए पानी लाने भी गए, लेकिन इस बीच आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। उन्होंने बताया कि आग फैलने के बाद ट्रेकर फंस गए, जिन्हें शनिवार को खोनोमा यूथ ऑर्गेनाइजेशन (केवाईओ) के स्वयंसेवकों ने सुरक्षित बाहर निकाला।

ओडिशा ने 30 आकांक्षी खगोलविदों को सम्मानित किया

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार ने हाल में आयोजित प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले 30 महत्वाकांक्षी खगोलविदों को सम्मानित किया है। एक आधिकारिक बयान जारी कर यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार, शुक्रवार को टाटा स्टील ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत भुवनेश्वर के 'पठानी सामंत तारामंडल' के सहयोग से एक समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर 9वें 'टाटा स्टील यंग एस्ट्रोनॉमर टैलेंट सर्च' (वाईएटीएस) 2025 के शीर्ष 30 विजेताओं को राज्य के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री कृष्ण चंद्र पात्रा ने सम्मानित किया। पात्रा ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देना और राज्य भर के स्कूली बच्चों की विज्ञान, खगोल विज्ञान एवं अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में रुचि पैदा करना है।

बयान के अनुसार, अंतिम सूची में जगह बनाने वाले राज्य भर से 60 प्रतिभागियों में से 30 विजेताओं की घोषणा की गई। इस वर्ष कार्यक्रम में 76,700 से अधिक छात्रों ने भाग लिया।

'वोट चोरी' के खिलाफ कांग्रेस की रैली को भाजपा ने बताया 'घुसपैठियों' को बचाने की कोशिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने ''वोट चोरी'' के मुद्दे पर कांग्रेस की रैली से पहले रविवार को आरोप लगाया कि मुख्य विपक्षी दल यह कार्यक्रम इसलिए आयोजित कर रहा है ताकि ''घुसपैठियों'' को मतदाता सूची से हटाए जाने से ''बचाया जा सके।''

सत्तारूढ़ भाजपा ने दावा किया कि कांग्रेस लोगों को गुमराह करने और संवैधानिक संस्थाओं का अपमान करने एवं बदनाम करने की अपनी कोशिश में सफल नहीं होगी, क्योंकि पूरी दुनिया जानती है कि भारत का लोकतंत्र ''बहुत मजबूत'' है। चुनावों में ''भाजपा द्वारा'' कथित ''वोट चोरी'' के खिलाफ अपने अभियान को तेज करते हुए कांग्रेस ने रविवार को यहां रामलीला मैदान में एक रैली का आयोजन किया है। इस रैली में पार्टी के शीर्ष नेता शामिल होंगे, जिनमें महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, के. सी. वेणुगोपाल, जयराम रमेश और सचिन पायलट शामिल हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी जनसभा को संबोधित कर सकते हैं। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी भी कार्यक्रम में शामिल हो सकती हैं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कार्यक्रम से पहले कहा कि कांग्रेस यह रैली ऐसे समय में कर रही है, जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान चुनाव सुधारों पर हुई बहस में विपक्ष के कथित गढ़े हुए आरोपों का बिंदुवार खंडन करके उन्हें बेनकाब कर दिया है। पात्रा ने यहां संवाददाताओं से कहा, यह दिखाता है कि सच आपके साथ नहीं है, फिर भी आप भ्रम का माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस की यह रैली 'घुसपैठियों' को बचाने की कवायद है। कांग्रेस यही कर रही है। उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी लोगों को गुमराह करने के साथ-साथ हमारे संवैधानिक संस्थानों का अपमान करने और उन्हें बदनाम करने की चाहे जितनी कोशिश कर ले, लेकिन पूरी दुनिया जानती है कि भारत का लोकतंत्र बहुत मजबूत है और इसे हिलाया नहीं जा सकता।

भाजपा नेता ने कांग्रेस पर तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया और राहुल गांधी को चुनौती दी कि यदि उन्हें कोई अनियमितता लगती है तो वह बिहार विधानसभा चुनाव को चुनौती दें।

'वोट चोरी' करने वाले गद्दार हैं, इन्हें सत्ता से हटाना होगा : खरगे

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को कहा कि 'वोट चोरी' करने वाले ''गद्दार'' हैं और इन्हें सत्ता से हटाना होगा ताकि वोट के अधिकार और संविधान को बचाया जा सके।

खरगे ने रामलीला मैदान में 'वोट चोर, गद्दी छोड़' रैली में यह दावा भी किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आरएसएस और मनुस्मृति की विचारधारा पर आगे बढ़ रहे हैं जिससे खत्म हो जाएगा। उन्होंने कहा कि देश को बचाना है, वोटों को सुरक्षित रखना है, संविधान को बचाना है तो लोगों को कांग्रेस एवं राहुल गांधी के साथ खड़ा होना होगा। उन्होंने दावा किया, ''कांग्रेस पार्टी की विचारधारा ही देश को बचा सकती है, भागवत और मनुस्मृति की विचारधारा देश को बचाएगी नहीं, बल्कि खत्म कर देगी। इनके रास्ते पर नरेन्द्र मोदी चल रहे हैं।'' उनका कहना था कि हिंदुत्व के नाम पर गरीबों को फिर से गुलामी में रखने का प्रयास हो रहा है। खरगे ने दावा किया, ''ये लोग (भाजपा के लोग) हमारे खिलाफ, गांधी जी, नेहरू जी और अंबेडकर जी के खिलाफ बात करते हैं...दूसरी तरफ वोट चोरी करते हैं। ये गद्दार लोग हैं। इन गद्दारों को (सत्ता से) हटाना होगा।''

ओडिशा के लोग ऊर्जा संरक्षण को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएः उप मुख्यमंत्री देव

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के उप मुख्यमंत्री केवी सिंह देव ने राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के अवसर पर रविवार को लोगों से ऊर्जा संरक्षण को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की। राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिंह देव ने कहा, ''ऊर्जा संरक्षण के हमारे प्रयास केवल संगोष्ठी और सम्मेलनों में चर्चाओं तक ही सीमित नहीं रहने चाहिए बल्कि हमारे दैनिक जीवन में भी होने चाहिए। फिर चाहे वह उपयोग में न होने पर उपकरणों को बंद करना हो या नवीकरणीय ऊर्जा समाधानों को अपनाना हो।'' उन्होंने कहा ऊर्जा संरक्षण को केवल एक आदत के रूप में नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय कर्तव्य के रूप में अपनाना चाहिए। सिंह देव ने अपील करते हुए कहा, ''हम सब मिलकर ऊर्जा का संरक्षण करें, जलवायु परिवर्तन से लड़ें और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में एक विकसित भारत और एक विकसित ओडिशा के सपने को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ें।''

पीलीभीत में बाघों को भगाने के लिए 'संगीत' का इस्तेमाल कर रहे किसान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पीलीभीत (उप्र)/भाषा। पीलीभीत बाघ अभयारण्य (पीटीआर) की माला रेंज से सटे गांवों में रहने वाले किसानों ने गन्ने की कटाई के दौरान सौर ऊर्जा से चलने वाले 'साउंड सिस्टम' पर तेज आवाज में गाने बजाकर बाघों को अपने खेतों से दूर रखने का एक अनोखा तरीका निकाला है।

किसानों ने बताया कि शोर से वन्यजीवों को खेतों से दूर रखा जा सकता है। चूंकि गन्ने के खेत घने होते हैं और दृश्यता कम होती है, इसलिए कटाई के दौरान बाघों से अचानक सामना होने का खतरा ज्यादा रहता है। वन एवं वन्य जीव प्रभाग के उप रेंजर शेर सिंह ने पत्रकारों को बताया कि वन विभाग भी किसानों को जागरूक करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। वन अधिकारी के अनुसार, किसानों के इस 'देसी जुगाड़' से जहां उनकी सुरक्षा सुनिश्चित हो रही, वहीं गन्ने के खेतों में काम के दौरान संगीत से श्रमिकों का मनोरंजन भी हो रहा है। सिंह ने बताया कि यह इंसानों और वन्यजीवों के बीच सुरक्षित दूरी बनाने का नया और अनोखा तरीका बन गया है। माला रेंज के रामनगरिया, अजीतपुर, जमुनिया, महुआ, माला घेरा, रिछोला और बसंतापुर जैसे गांवों में बाघों की आवाजाही से ग्रामीण अक्सर दहशत में रहते हैं। हाल में महुआ गांव में किसान भगवान दास के खेत में बाघ के पदचिह्न मिलने से किसानों की चिंता और बढ़ गई। सिंह ने बताया कि जमुनिया गांव के किसान कृष्ण कुमार ने अपने साथियों के साथ मिलकर इस खतरे से निपटने के लिए मनोरंजन के साथ 'म्यूजिकल' तरीका विकसित किया है।

भाजपा में सदस्य से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष तक के चुनाव का समन्वय दुनिया के लिए अकल्पनीय : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। केंद्रीय उद्योग और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को कहा कि विश्व के सबसे बड़े दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में सदस्य से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष तक का चुनाव जिस आपसी समन्वय से होता है, वह दुनिया के लिए अकल्पनीय है।

गोयल ने पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी का नाम घोषित करने के बाद लखनऊ में एक सभा में भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं को संबोधित करते हुए ये टिप्पणियां कीं। उन्होंने कहा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी भारतीय जनता पार्टी के हम सदस्य हैं।

दुनिया हैरान है कि जितने व्यवस्थित व लोकतांत्रिक तरीके से सदस्य बनाने व राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनने का काम आपसी समन्वय से होता है वह अकल्पनीय है। केंद्रीय उद्योग और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि उत्तर प्रदेश के साथ उनका बहुत घनिष्ठ संबंध है।

मतपत्र से चुनाव हो तो भाजपा नहीं जीत सकती : प्रियंका गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने रविवार को दावा किया कि यदि देश में सही चुनाव और मत पत्र से चुनाव करा लिए जाएं तो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को कभी चुनाव नहीं जीत सकती।

कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी का विश्वास घट रहा है तथा सिर्फ निर्वाचन आयोग की बदौलत चुनाव जीता जा रहा है। प्रियंका गांधी ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर दावा किया कि उत्तर प्रदेश में तीन करोड़ नामों को मतदाता सूचियों से काटे गए हैं। उनका कहना था कि बिहार विधानसभा चुनाव में हार को लेकर कांग्रेस समर्थकों को मायूस होने की जरूरत नहीं है क्योंकि यह चुनाव 65 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से काटकर और आचार संहिता के बीच लोगों के खातों में 10-10 हजार रुपए पहुंचाकर चोरी हुआ है।

प्रियंका गांधी ने कहा, ''जब सब संस्थाओं को कुचला जा रहा है, तो एक-एक भारत वासी को उठना चाहिए, जागना चाहिए और समझना चाहिए कि देश के व्यक्ति पर वार हो रहा है।'' उन्होंने दावा किया कि आज के समय में न्यायपालिका दबाव में है।

अर्थव्यवस्था को लेकर भाजपा सरकार के दावे पूरी तरह से मनगढ़ंत : अखिलेश

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भाजपा द्वारा अर्थव्यवस्था को लेकर किए गए दावे को मनगढ़ंत करार दिया। उप्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने आधिकारिक एक्स पर एक पोस्ट में कहा अब तक के इतिहास में डॉलर के मुक़ाबले रुपए का सबसे ज़्यादा कमज़ोर होना ये दिखाता है कि अर्थव्यवस्था को लेकर भाजपा सरकार द्वारा किये जा रहे सारे आंकड़े और दावे पूरी तरह से झूठे और मनगढ़ंत हैं। यादव ने कहा भाजपाई इस बात को नकार नहीं सकते हैं कि ये बेहद कमज़ोर और नाकाम सरकार की वजह से हो रहा है क्योंकि रुपया गिरने और सरकार के बीच के अनूठे आर्थिक सिद्धांत का अनोखा फ़ार्मूला भाजपा की ही देन है।

असम में घर पर छापा मारकर 86 किलोग्राम अफीम जब्त की गई, सात गिरफ्तार

रंगिया/भाषा। असम के कामरूप जिले में रविवार को एक मकान पर छापा मारकर सात लोगों को गिरफ्तार किया गया और 86 किलोग्राम अफीम जब्त की गई। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि उदिअना गांव में यह छापा विशिष्ट सूचना के आधार पर मारा गया था। अभियान के दौरान मकान मालिक सहित कुल सात लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मकान मालिक को पहले भी मादक पदार्थ से जुड़े इसी तरह के मामले में गिरफ्तार किया गया था। छापा मारने के दौरान अधिकारियों ने 86 किलोग्राम अफीम के अलावा 25,400 रुपए नकद और वजन तौलने की एक इलेक्ट्रॉनिक मशीन भी जब्त की। अधिकारी ने बताया कि सभी आरोपियों को स्वापक औषधि एवं मनः प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया है।

सारंडा के जंगल में आईईडी विस्फोट में सीआरपीएफ के दो जवान घायल

चाईबासा/भाषा। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की कोबरा बटालियन के दो जवान झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिले में सारंडा के जंगल में रविवार को तलाश अभियान के दौरान तात्कालिक विस्फोटक उपकरणों (आईईडी) में हुए अलग-अलग विस्फोटों में गंभीर रूप से घायल हो गए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने संदेह जताया कि इन आईईडी को नक्सलियों ने लगाया था।

पश्चिम सिंहभूम के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अमित रेणु ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि आईईडी विस्फोट की चपेट में आए कोबरा बटालियन के दोनों जवान सारंडा के जंगल में नक्सलियों के खिलाफ तलाश अभियान चला रही टीम का हिस्सा थे। उन्होंने कहा, सीआरपीएफ बैरक में प्राथमिक उपचार के बाद दोनों जवानों को बेहतर इलाज के लिए हवाई मार्ग से रांची के एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। रेणु ने बताया कि घायल जवानों की पहचान हेड कॉन्स्टेबल आलोक दास और सिपाही नारायण दास के रूप में हुई है। उन्होंने कहा, यह नक्सलियों का एक हताशा भरा कृत्य है। हम सारंडा के जंगल में तलाश अभियान और तेज करेंगे।

मेस्सी का मुंबई आना मुंबई और भारत के लिए एक सुनहरा पल है : तेंदुलकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने रविवार को अर्जेंटीना के फुटबॉल सुपरस्टार लियोनेल मेस्सी के मुंबई दौरे को शहर और देश के लिए एक सुनहरा पल बताया। तेंदुलकर ने इसी मैदान पर 2011 क्रिकेट विश्व कप की जीत की तुलना मेस्सी के दौरे से की जो अपने इंटर मियामी टीम के साथी लुइस सुआरेज और रोड्रिगो डि पॉल के साथ पहुंचे।

तेंदुलकर ने भारत की वनडे विश्व कप जीत का जिक्र करते हुए यह बात कही जिसमें उन्होंने बड़ी भूमिका अदा की थी। उन्होंने कहा, ''मैंने यहां कुछ अविश्वसनीय पल बिताए हैं। जैसा कि हम कहते हैं, मुंबई सपनों का शहर है। और इस जगह पर कई सपने पूरे हुए हैं। और आपके समर्थन के बिना, हम 2011 में इस मैदान पर उन सुनहरे पलों को कभी नहीं देख पाते। '' उन्होंने कहा, ''और आज, इन तीन महान हस्तियों का यहां होना वाकई मुंबई, मुंबईवासियों और भारत के लिए एक सुनहरा पल है। जिस तरह से आपने खेल के इन तीनों महान खिलाड़ियों का स्वागत किया है, वह सच में कमाल का है। ''

फुटबॉल सुपरस्टार लियोनेल मेस्सी मेस्सी के बारे में बात करते हुए तेंदुलकर ने कहा, ''जहां तक 'लियो' (मेस्सी) की बात है तो अगर मुझे उनके खेल के बारे में बात करनी है तो यह सही मंच नहीं होगा। और आप जानते हैं, उनके बारे में कोई क्या बात करे? उन्होंने सब कुछ हासिल कर लिया है। हम सच में उनकी लगन, दृढ़ संकल्प, प्रतिबद्धता की तारीफ करते हैं। ''

आईपीएल में गेंदबाजी के लिए तैयार, कैमरन ग्रीन ने कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

एडीलेड/भाषा। ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन ने रविवार को साफ किया कि वह इंडियन प्रीमियर लीग में गेंदबाजी के लिए उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने साफ किया कि उनके मैनेजर की 'गड़बड़ी' की वजह से उन्हें अगले हफ्ते होने वाली छोटी नीलामी में गलती से बल्लेबाज के तौर पर पंजीकृत कर दिया गया।

पीठ की सर्जरी से उबरने के कारण 2025 सत्र से बाहर रहे 26 साल के ग्रीन जून में एक विशेषज्ञ बल्लेबाज के तौर पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लौटे थे। हालांकि इसके बाद उन्हें गेंदबाजी करने की इजाजत मिल गई है और वह ऑस्ट्रेलिया तथा इंग्लैंड के बीच चल रही एशेज शृंखला में गेंदबाजी कर रहे हैं। 'ईएसपीएनक्रिकइंफो' ने ग्रीन के हवाले से कहा, ''मैं गेंदबाजी के लिए तैयार रहूंगा। मुझे नहीं पता कि मेरे मैनेजर यह सुनना चाहेंगे या नहीं लेकिन उनकी तरफ से गड़बड़ी हुई थी।'' उन्होंने कहा, ''उनका मतलब 'बल्लेबाज' कहना नहीं था। मुझे लगता है कि उन्होंने गलती से ऐसा कर दिया। असल में यह उनकी तरफ से एक गड़बड़ी थी।'' लंबे कद के ऑलराउंडर ग्रीन ने 2023 में मुंबई इंडियंस और 2024 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु का प्रतिनिधित्व किया था। वह नीलामी में हिस्सा लेने वाले सबसे बड़े नामों में से हैं और उनके लिए भारी-भरकम बोली लगने की उम्मीद है। ग्रीन का आधार मूल्य दो करोड़ रुपए है। उन्हें ऑलराउंडर की जगह बल्लेबाजों के वर्ग में सूचीबद्ध किया गया है। नीलामी मंगलवार को अबु धाबी में होगी।

सुविचार

जिस मनुष्य ने अपनी सभी भौतिक इच्छाओं का परित्याग कर दिया हो और इंद्रिय तृप्ति की लालसा, स्वामित्व के भाव और अहंकार से रहित हो गया हो, वह पूर्ण शांति प्राप्त कर सकता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मानवता फिर लहूलुहान

आतंकवादियों ने एक बार फिर मानवता को लहूलुहान कर दिया। ऑस्ट्रेलिया में सिडनी के बोंडी बीच पर दर्जनभर लोगों को मौत के घाट उतार दिया। शांति और खुशी के माहौल में त्योहार मना रहे लोगों से किसी को क्या दिक्कत हो सकती है? इस हमले के वीडियो देखकर पहलगाम हमले की यादें ताजा हो जाती हैं। वहां भी आम लोग छुट्टियों का आनंद ले रहे थे, बोंडी बीच पर भी लोग छुट्टियों का लुत्फ उठा रहे थे। पहलगाम में आतंकवादियों ने धर्म पूछकर गोलियां बरसाई थीं, बोंडी बीच पर अंधाधुंध गोलियां बरसाईं, क्योंकि पहले से पता था कि ये यहूदी हैं, जो हनुका त्योहार मनाने के लिए इकट्ठे हुए हैं। हंसी-खुशी का माहौल मातम में बदल गया। ऑस्ट्रेलियाई मीडिया रिपोर्टों में एक हमलावर का नाम (पाकिस्तानी मूल का) नवीद अकरम बताया जा रहा है। इस बात का पहले से ही शक था। यूं तो ऑस्ट्रेलिया काफी शांत और सुरक्षित देश माना जाता है, लेकिन इसकी सरकारों ने पिछले तीन दशकों में प्रवासियों के मामले में जो उदारता दिखाई, अब उसके फल मिलने लगे हैं। इस देश को श्रम-शक्ति बढ़ाने के लिए लोगों की जरूरत थी। ऑस्ट्रेलियाई सरकारों ने पाकिस्तान, अफगानिस्तान, ईरान, बांग्लादेश, सीरिया, लीबिया जैसे देशों के नागरिकों के लिए अपने दरवाजे खोले थे। यह गलत नहीं है, लेकिन जिन लोगों को बुलाया गया, उनकी जांच-पड़ताल करनी चाहिए थी। ऑस्ट्रेलिया में कई इलाके ऐसे हैं, जहां पाकिस्तानी बड़ी तादाद में रहते हैं। अक्सर स्थानीय लोग शिकायत करते हैं कि ये हमेशा असंतुष्ट रहते हैं, ज्यादा से ज्यादा अधिकारों की मांग करते हैं, खुद नियम-कानूनों की धज्जियां उड़ाते हैं, गंदगी फैलाते हैं और अपनी मर्जी चलाने की कोशिश करते हैं।

ऑस्ट्रेलिया में कई लोग ऑनलाइन चर्चा में चिंता जता चुके हैं कि देश में कट्टरपंथ बढ़ता जा रहा है और सरकार को कोई परवाह नहीं है। बोंडी बीच हमले के बाद एजेंसियां जांच में जुटी हैं। अगर इस घटना के पीछे पाकिस्तानियों का पूरा नेटवर्क निकल आए तो इस पर किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिए। इस बात को समझने की जरूरत है कि पाकिस्तान में यहूदियों से बहुत ज्यादा घृणा की जाती है। वहां कट्टरपंथी उपदेशक यहूदियों के खिलाफ आग उगलते रहते हैं। इससे आम लोगों की सोच प्रभावित हो रही है। जब बोंडी बीच हमले की खबरें पाकिस्तानी चैनलों के सोशल मीडिया पेजों पर प्रसारित हुईं तो टिप्पणियों में कई पाकिस्तानी नागरिक खुशियां मना रहे थे। वे इसे गाजा, फिलिस्तीन, लेबनान, ईरान से जोड़कर देख रहे थे। आम लोगों की हत्याओं पर कोई व्यक्ति खुशी कैसे मना सकता है? इससे उसकी कैसी मानसिकता झलकती है? पहलगाम हमले के बाद भी पाकिस्तानी नागरिक खबरों पर ऐसी ही प्रतिक्रिया दे रहे थे। ऑस्ट्रेलियाई एजेंसियों को चाहिए कि वे वास्तविकता को स्वीकार करें। देश सुरक्षित होगा तो लोकतंत्र सुरक्षित होगा, लोगों के अधिकार सुरक्षित होंगे। वे अपनी सरकार पर दबाव डालें कि कट्टरपंथ के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। पाकिस्तान जैसे देशों, जहां कट्टरपंथ जड़ जमा चुका है, के नागरिकों को वीजा और नागरिकता देने में बहुत सावधानी बरतें। लोगों की सोशल मीडिया गतिविधियों को गंभीरता से लें। जो व्यक्ति ऑस्ट्रेलिया में रहकर उसके कानून का सम्मान नहीं करता, संस्कृति की खिल्ली उड़ाता है, हर कहीं अपनी मर्जी चलाता है, उसे स्वदेश भेजने का इंतजाम करें। ऑस्ट्रेलिया के पास मौका है कि वह अपनी पुरानी गलतियों को सुधारे। अति-उदारवाद दिखाने की कोशिश में यूरोप के कई देशों ने मुसीबत मोल ले रखी है। अब उन्हें पछतावा हो रहा है, लेकिन वहां कानून ऐसे हैं कि सरकारें कुछ खास कर नहीं सकतीं। वोटबैंक की राजनीति भी एक बड़ी समस्या है। इससे स्थानीय लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। यह स्थिति भविष्य में अप्रिय मोड़ ले सकती है। ऑस्ट्रेलिया सावधान रहे।

ट्वीटर टॉक

आज जयपुर के ऐतिहासिक जल महल की पाल पर आयोजित राज्य स्तरीय स्वच्छता अभियान में श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया। साथ ही, पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दोहराया और आमजन को स्वच्छता की शपथ दिलाई।

-भजनलाल शर्मा

भाजपा की डबल इंजन सरकार के सफलतम दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के बढ़ पीपली बस स्टैंड पर आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता कर क्षेत्र की जनता को जनसेवा के प्रति समर्पित राज्य सरकार की ऐतिहासिक उपलब्धियों से अवगत कराया।

-दिया कुमारी

जनता जनप्रतिनिधियों को सेवा के लिए चुनती है, सार्वजनिक जीवन में सौदेबाजी और लूट के लिए नहीं। आज अख़बार में प्रकाशित विधायक कोष ज़ारी करने के एवज में विधायक जनप्रतिनिधियों द्वारा कमीशनखोरी की ख़बर अत्यंत चिंताजनक है।

-गोविंदसिंह डोटासरा

प्रेरक प्रसंग

समझदारी से प्राणरक्षा

प्राचीन जापान में एक सम्राट बहुत सनकी था। वह छोटी-छोटी गलतियों के लिए कड़ा और बड़ा दंड दे देता था। सम्राट के पास बीस फूलदानियों का एक अति सुंदर संग्रह था, जिस पर उसे बहुत गर्व था। एक दिन फूलदानों की नियमित सफाई के दौरान एक सेवक से एक फूलदानी टूट गई। सम्राट ने सेवक को फांसी पर लटकाने का हुक्म दे दिया। सम्राट से रहम की अपील की गई, किंतु वह नहीं माना। तब एक बूढ़ा आदमी दरबार में हाजिर होकर बोला, 'सरकार! मैं टूटी हुई फूलदानी जोड़ने में सिद्धहस्त हूं। मैं उसे इस तरह जोड़ दूंगा कि वह पहले जैसी दिखाई देगी।' सम्राट ने प्रसन्न होकर बूढ़े को अपनी शेष फूलदानियां दिखाते हुए कहा, 'इन उन्नीस फूलदानियों की तरह यदि तुम टूटी हुई फूलदानी को भी बना दोगे तो मुंहमांगा इनाम पाओगे।' सम्राट की बात समाप्त होते ही बूढ़े ने अपनी लाठी उठाई और सभी फूलदानियां तोड़ दीं। यह देखकर सम्राट क्रोधावेश में बोला, 'बेवकूफ! ये तुमने क्या किया?' बूढ़े ने दृढ़ता के साथ कहा, 'महाराज! मैं जानता था कि इनमें से हर फूलदानी के पीछे एक आदमी की जान जाने वाली थी।

सामयिक

वहीं तमिलनाडु बीजेपी अध्यक्ष नैनार नागेन्द्रन ने महाभियोग प्रस्ताव को लोकतंत्र के लिए खतरनाक बताया। उन्होंने कहा कि डीएमके न्यायिक फैसले तभी स्वीकार करती है जब वे उसके हित में हों। भाजपा नेता ने कहा कि जस्टिस स्वामीनाथन ने कोई अपराध नहीं किया और मंदिर व पुलिस प्रशासन की विफलता के कारण ही उन्हें आदेश देना पड़ा। उन्होंने चेतावनी दी कि इस तरह के महाभियोग प्रयास गलत परंपरा कायम करेंगे और संस्थानों के बीच टकराव को जन्म दे सकते हैं।

न्यायपालिका पर नकेल डालने का सियासी प्रयोग है महाभियोग

मनोज कुमार अग्रवाल

मोबाइल : 9219179431

मद्रास हाइकोर्ट के न्यायाधीश के एक फैसले को लेकर देश की राजनीति में हलचल मची हुई है। अब विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक के 107 सांसदों ने मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ के न्यायाधीश न्यायमूर्ति जीआर स्वामीनाथन को पद से हटाने के लिए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को एक महाभियोग प्रस्ताव सौंपा है । इस प्रस्ताव में कांग्रेस, डीएमके, आप, सपा, सीपीआई, सीपीएम, और शिवसेना (उद्धव ठाकरे) सहित कई प्रमुख दलों के सांसदों के हस्ताक्षर हैं। नियम के अनुसार, किसी जज के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पेश करने के लिए लोकसभा में कम से कम 100 सांसदों के समर्थन की आवश्यकता होती है, 'इंडि' ब्लॉक के 107 सांसदों ने महाभियोग प्रस्ताव पर दस्तखत किए हैं। आपको बता दें कि इस पूरे राजनीतिक विवाद की पृष्ठभूमि में न्यायमूर्ति स्वामीनाथन का एक फैसला है। पिछले हफ्ते, उन्होंने तमिलनाडु के तिरुप्परनकुंद्रम पहाड़ी पर स्थित 6वीं शताब्दी के सुब्रमण्यम स्वामी मंदिर के प्रशासन को एक निर्देश दिया। यह निर्देश था कि 13वीं शताब्दी की सिकंदर बादुशाह दरगाह के पास एक स्तंभ पर 'दीपक जलाने की परंपरा' को फिर से शुरू किया जाए। जब राज्य सरकार ने विरोध किया और मंदिर प्रबंधन ने पालन नहीं किया, तो जज ने अवमानना का आदेश भी जारी किया। न्यायमूर्ति स्वामीनाथन ने अपने आदेशों का पालन न करने पर तमिलनाडु के मुख्य सचिव और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) को 17 दिसंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश होने के लिए भी तलब किया है। उन्होंने राज्य सरकार के अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा, मैं यहां हाथ उठाकर असहाय होकर यह कहने के लिए नहीं हूं कि, 'हे पिता, उन्हें माफ कर दो, क्योंकि वे नहीं जानते कि वे क्या कर रहे हैं।' यह जानबूझकर उल्लंघन है। उन्होंने केओसुबल की रिपोर्ट का संज्ञान लिया, जिसमें बताया गया था कि मदुरै पुलिस आयुक्त ने 200 से अधिक पुलिसकर्मियों के साथ अदालत के आदेश का पालन करने से केओसुबल टुकड़ी को रोका था।

दूसरी ओर सुप्रीम कोर्ट और विभिन्न हाई कोर्टों के 56 पूर्व न्यायाधीशों ने विपक्षी सांसदों द्वारा मद्रास हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति जी.आर. स्वामीनाथन के खिलाफ महाभियोग की पहल को लेकर कड़ी आपत्ति व्यक्त की है। पूर्व न्यायाधीशों ने कहा कि यह कदम उन न्यायाधीशों को दबाव में लाने का प्रयास है जो राजनीतिक या वैचारिक उम्मीदों के अनुरूप फैसले नहीं देते। 12 दिसंबर को जारी संयुक्त बयान में उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास लोकतंत्र और न्यायपालिका की स्वतंत्रता की बुनियाद को कमजोर करते हैं। उन्होंने कहा कि महाभियोग का इस्तेमाल न्यायिक आचरण की रक्षा के लिए होता है, न कि राजनीतिक हथियार की तरह।

मद्रास हाईकोर्ट के जस्टिस जी.आर. स्वामीनाथन को हटाने की मांग करते हुए 100 से अधिक सांसदों की ओर से लाए गए महाभियोग प्रस्ताव के खिलाफ बड़ा विरोध सामने आया। 50 से अधिक पूर्व न्यायाधीशों, जिनमें सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज और कई हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश शामिल हैं, ने एक कड़े शब्दों वाला पत्र जारी कर इस कदम की कड़ी निंदा की. उन्होंने इस कदम को जजों को डराने-धमकाने की खुली कोशिश बताया। पूर्व जजों ने कहा कि कार्तिगई दीपम दीप-प्रज्वलन मामले में दिए गए निर्णय के आधार पर जस्टिस स्वामीनाथन को हटाने की कोशिश लोकतंत्र और न्यायपालिका की स्वतंत्रता की जड़ें हिला देने वाली है। उन्होंने लिखा कि सांसदों द्वारा बताए गए कारण सतही और इतने गंभीर संवैधानिक कदम के लिए बिल्कुल भी पर्याप्त नहीं हैं।

पत्र में पूर्व जजों ने इस कोशिश को न्यायपालिका को कमजोर करने वाली लंबी और चिंताजनक राजनीतिक परंपरा का हिस्सा बताया। उन्होंने आपातकाल के बाद तीन वरिष्ठ जजों की सुपरसिडिंग, जस्टिस एचआर खन्ना की उपेक्षा और पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई, एसए बोबडे, डीवाई चंद्रचूड़ और अब सीजेआई सूर्यकांत के खिलाफ चलाए गए राजनीतिक अभियान का उल्लेख किया। पूर्व न्यायाधीशों ने चेतावनी दी कि महाभियोग जैसे संवैधानिक प्रावधान का इस्तेमाल आर्म-ट्विस्टिंग और बदले की राजनीति के हथियार के रूप में नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा, आज निशाना एक जज है, कल पूरा संस्थान निशाने पर होगा।

पूर्व जजों ने सांसदों, बार काउंसिल, सिविल सोसाइटी और नागरिकों से अपील की कि इस कदम को शुरुआत में ही रोक दिया जाए, क्योंकि जज संविधान के प्रति जवाबदेह होते हैं, न कि राजनीतिक समूहों की पसंद-नापसंद के प्रति कोई जबाबदेही। बता दें कि यह पूरा विवाद तमिलनाडु में तब उठा, जब जस्टिस स्वामीनाथन ने तिरुप्परंकुंद्रम हिल पर दीपथून स्तंभ पर कार्तिगई दीपम का दीप जलाने का आदेश दिया। यह स्थान सिकंदर बादूशा दरगाह के पास है और लंबे समय से संवेदनशील माना जाता रहा है। याचिकाकर्ताओं की मांग पर जज ने 4 दिसंबर शाम 6 बजे तक दीप जलाने का निर्देश दिया। उन्होंने दलील दी कि यह कदम मुस्लिम समुदाय के अधिकारों का उल्लंघन नहीं करता, लेकिन दीप न जलाने से पहाड़ी पर मंदिर के अधिकार कमजोर हो सकते हैं, क्योंकि वहां कथित अतिक्रमण की शिकायतें उठती रही हैं।

हालांकि तमिलनाडु सरकार ने यह कहते हुए कि इससे कानून-व्यवस्था बिगड़ सकती है, आदेश लागू करने से इनकार कर दिया। इसके बाद पुलिस और हिंदू संगठनों के बीच झड़पें भी हुईं। द्रमुक पार्टी ने आरोप लगाया कि जज ने 2017 की डिवीजन बेंच के आदेश को उलट दिया है और उनका निर्देश चुनाव से ठीक पहले सांप्रदायिक तनाव भड़का सकता है। पार्टी नेता टीआर बालू ने लोकसभा में यह मुद्दा उठाते हुए दावा किया कि बीजेपी राज्य में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की कोशिश कर रही है।

वहीं तमिलनाडु बीजेपी अध्यक्ष नैनार नागेन्द्रन ने महाभियोग प्रस्ताव को लोकतंत्र के लिए खतरनाक बताया। उन्होंने कहा कि डीएमके न्यायिक फैसले तभी स्वीकार करती है जब वे उसके हित में हों। भाजपा नेता ने कहा कि जस्टिस स्वामीनाथन ने कोई अपराध नहीं किया और मंदिर व पुलिस प्रशासन की विफलता के कारण ही उन्हें आदेश देना पड़ा। उन्होंने चेतावनी दी कि इस तरह के महाभियोग प्रयास गलत परंपरा कायम करेंगे और संस्थानों के बीच टकराव को जन्म दे सकते हैं। आपको पता रहे यह मुद्दा सिर्फ अदालत तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि पिछले हफ्ते लोकसभा में भी बवाल मच गया था। डीएमके सदस्यों ने सदन में विरोध प्रदर्शन करते हुए बीजेपी पर 'सांप्रदायिक तनाव' भड़काने का आरोप लगाया। वहीं, केंद्रीय उपमंत्री एल. मुरुगन ने डीएमके पर 'एक विशेष समुदाय को निशाना बनाने' का पलटवार किया। डीएमके सांसद टीआर बालू ने सदन में न्यायमूर्ति स्वामीनाथन के 'एक विशेष विचारधारा' के प्रति निष्ठा रखने की आलोचना की, जिस पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने न्यायपालिका पर आक्षेप न लगाने की चेतावनी दी थी। अब स्पीकर ओम बिरला के सामने इन आरोपों की जांच और प्रस्ताव पर निर्णय लेने की बड़ी जिम्मेदारी है।देखना है कि इस मामले का पटाक्षेप किस तरह होता है।

नजरिया

कम्युनिस्ट दुनिया पर भाजपा का परचम

आचार्य श्रीहरि

मोबाइल : 9315206123

भाजपा शनै-शनै ही सही पर केरल में दमदार उपस्थिति दर्ज करा रही है और अपना जनाधार मजबूत कर रही है। यह विधानसभा और लोकसभा चुनावों में भी साबित हो रहा है। लोकसभा 2024 के चुनावों में भाजपा ने बहुत बडी उपलब्धि हासिल की थी और अपना वोट प्रतिशत बढाया था। भाजपा ने केरल में एक लोकसभा सीट पर कब्जा किया, जहां से मलयालम फिल्म के अभिनेता ने दमदार जीत हासिल की थी।

कम्युनिस्टों के सीने पर भाजपा का परचम। भाजपा ने केरल में अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज करायी है, कम्युनिस्टों की दुनियां और कम्युनिस्टों की सरकार को ऐसी हार दी है जिसकी पडताल करने के लिए चाकचौबंद कारण भी ढूढने से नहीं मिलेंगे, कम्युनिस्ट दुनिया सिर्फ आश्चर्यचकित ही नहीं है और अपना संहार नजदीक समझ भी रही होगी। तिरूवनंतपुरम नगर निगम की जीत को भाजपा की छोटी जीत के तौर पर समझ कर खारिज करना मुश्किल है, आत्मघाती है और भविष्य के राजनीतिक खतरे के प्रति उदासीनता मानी जायेगी। आखिर क्यों? क्योंकि भाजपा की यह जीत बहुत बडी न होकर भी बहुत ही महत्वपूर्ण है और इसके संदश काफी दूरदृष्टि वाली है और यह प्रमाणित करती है कि भाजपा ने केरल में अपना जनाधार विकसित करने और कम्युनिस्टों की सरकार को चुनौती देने के लिए दमदार आधार प्राप्त कर लिया है और यह भी प्रमाणित हो चुका है कि केरल में भाजपा के समर्थन बल की शक्ति में वृद्धि हो रही है, भाजपा का नेटवर्क बहुत ही मजबूत हो रहा है तथा भाजपा की विचार धारा भी तेजी से स्वीकार हो रही है। अभी तक केरल दो पार्टी की राजनीति के आगोश में बैठा था। कम्युनिस्ट और कांग्रेस की अगुवाई वाला गठबंधन ही बारी-बारी से सत्ता में आता था, तीसरे पक्ष की कोई गुजाइश ही नहीं बचती थी, तीसरे पक्ष को कोई जनसमर्थन हासिल नहीं होता था। भाजपा का हिन्दुत्व भी कमजोर होता था, भाजपा दमदार ढंग से चुनाव जरूर लडती थी पर दमदार चर्चा के लायक उपलब्धि हासिल नही कर पाती थी। मान्यता यह भी थी केरल में साक्षरता का दर सौ प्रतिशत है, यहां की जनता सबसे अधिक पढी-लिखी है, जागरूक है, समझदार है, सचेत है और कम्युनिस्ट विचार धारा से प्रभावित है, इसलिए भाजपा की धार्मिक घूटी केरल की जनता को प्रभावित नहीं करेगी। यह अवधारणा अब पूरी तरह से निर्रथक बन चुकी है, भाजपा की धार्मिक घूटी अब केरल की जनता के सिर पर नाच रही है।

जीत और उपलब्धि की प्रशंसा अगर दुश्मन के खेमे से आती है तो जीत और उपलब्धि का अर्थ महत्वपूर्ण हो जाता है। भाजपा की जीत की प्रशंसा भाजपा विरोधियों ने भी की है। कांग्रेस के सांसद शशि थरूर ने कहा कि मेरे संसदीय क्षेत्र तिरूवनंतपुरम में भाजपा की जीत का स्वागत है। उन्होंने आगे कहा कि मेरे संसदीय क्षेत्र में भाजपा की जीत अति महत्वपूर्ण है, क्योंकि तिरूवनतपुरम केरल की राजधानी है और यहां पर पढे-लिखे लोगों की उपस्थिति दमदार है, केरल के हर वर्ग की यहां पर उपस्थिति है। खासकर कम्युनिस्टों ने भी भाजपा की इस जीत को एतिहासिक माना है और भाजपा के बढते प्रभाव का प्रमाण माना है। हालांकि कम्युनिस्टों की दुनियां ने प्रत्यक्ष तौर पर भाजपा की प्रशंसा करने से बचने का काम किया है। ज्ञातव्य है कि भाजपा ने केरल के तिरूवनंतपुरम नगर निगम के चुनाव में अपना परचम लहराया है, यानी की शानदार जीत हासिल की है, 101 नगर पार्षद वाले नगर निगम में 50 सीटें जीतीं हैं। जानना यह जरूरी है कि तिरूवनतपुरम पर कम्युनिस्टों का एक छत्र राज रहा है। तिरूवनतपुरम नगर निगम पर कम्युनिस्टों का 40 साल से कब्जा रहा है, कम्युनिस्टों के इस कब्जे को कांग्रेस भी मुक्त कराने का पराक्रम नहीं दिखा पायी थी। कम्युनिस्ट तिरूवनंतपुरम नगर निगम पर अपनी पकड और सत्ता पर गर्व करते थे और कहते थे कि पढे-लिखे लोगों के बीच कम्युनिस्ट विचारधारा आज भी जिंदा है और सक्रिय है। सिर्फ तिरूवनंतपुरम नगर निगम पर ही कम्युनिस्टों की हार नहीं नहीं हुई है बल्कि अन्य नगर निगमों और नगरपालिका चुनावों में भी कम्युनिस्टों की हार हुई है, कम्युनिस्टों की तुलना में कांग्रेस नेतृत्व वाले गठबंधन ने ज्यादा जीत हासिल की है और यह प्रमाणित करने का काम किया है कि अब केरल में कम्युनिस्ट सरकार की छवि धूमिल हो चुकी है और अगले विधान सभा चुनावों में कम्युनिस्टों का सूफडा साफ होने वाला है।

भाजपा शनै-शनै ही सही पर केरल में दमदार उपस्थिति दर्ज करा रही है और अपना जनाधार मजबूत कर रही है। यह विधानसभा और लोकसभा चुनावों में भी साबित हो रहा है। लोकसभा 2024 के चुनावों में भाजपा ने बहुत बडी उपलब्धि हासिल की थी और अपना वोट प्रतिशत बढाया था। भाजपा ने केरल में एक लोकसभा सीट पर कब्जा किया, जहां से मलयालम फिल्म के अभिनेता ने दमदार जीत हासिल की थी। सिर्फ इतना ही नहीं बल्कि तिरूवनतपुरम लोकसभा सीट पर भाजपा ने कांग्रेस के छक्के छुडा दिए थे। तिरूवनंतपुरम लोकसभा सीट से कांग्रेस के उम्मीदवार शशि थरूर काफी कम वोट से चुनाव जीतने में सफल हुए थे। भाजपा की बढती राजनीतिक शक्ति कम्युनिस्टों के लिए मौत का प्रमाण है। आखिर क्यों? इसलिए कि कम्युनिस्टों के आधार पर भाजपा की पहुंच और जीत हासिल हो रही है। कम्युनिस्टों का आधार उदारवादी हिन्दू और ईसाई हैं। मुस्लिम वर्ग तो कांग्रेस नेतृत्व वाले गठबंधन के साथ रहता है, कांग्रेस की निजी जागिर है। मुस्लिम वर्ग के सपोर्ट के कारण ही प्रियंका गांधी और राहुल गांधी उत्तर प्रदेश की अपनी परम्परागत सीटों को छोडकर केरल जाकर चुनाव लडने और जीतने के प्रति उत्साहित होते हैं और जीतकर संसद में भी पहुंचते हैं। कहने का अर्थ यह है कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को केरल में जीत की गारंटी हासिल होती है। कांग्रेस के घोर मुस्लिमवाद के कारण ही उदारवादी और प्रगतिशील हिन्दू कम्युनिस्टों को अपना हितैषी मानते थे और चुनावों में अपना समर्थन देते थे। ईसाई भी लव जिहाद और कट्टरपंथी मुसलमानों के उपद्रवों तथा जिहाद से त्रस्त होकर अपना समर्थन कम्युनिस्टों को देते थे। मुस्लिम जिहादियों द्वारा एक ईसाई प्रोफेसर के हाथ काटने के बाद ईसाई और मुस्लिम झगड़े और तनाव भी बढे हैं। इधर कम्युनिस्टों ने भी मुस्लिम कार्ड खेल दिया। मुसलमानों को खुश करने के लिए अनेक छूट और प्रोत्साहन दिए हैं, मुसलमानों की मजहबी भावनाओं को तुष्ट करने के लिए हिन्दुओं के धार्मिक अधिकारों को कुचलने का कार्य किया है। खासकर हिन्दू मंदिरों पर कब्जा करने और उस पर मुसलमान और कम्युनिस्ट कार्यकर्ताओं को स्थापित कराने के लिए नीतियां बनायी गयी, शबरी माला विवाद इसका उदाहरण है। सबसे बडी बात यह है कि हिन्दू मंदिरों की आय पर कम्युनिस्ट सरकार की गिद्ध दृष्टि लगी रहती है। हिन्दू मंदिरों की आय पर कम्युनिस्ट सरकार कब्जा कर लेती है। सिर्फ इतना ही नहीं बल्कि हिन्दू मंदिरों की आय से इस्लाम को बढावा दिया जाता है, कहने का अर्थ यह है कि हिन्दू मंदिरों की आय से इस्लाम का प्रचार-प्रसार किया जाता है, इस्लामिक प्रतीकों का निर्माण किया जाता है और विस्तार किया जाता है। यही कारण है कि उदारवादी और प्रगतिशील हिन्दू अब कम्युनिस्टों को अपना दुश्मन मानने लगे हैं और भाजपा की ओर अपना रूख मजबूत कर रहे हैं। भाजपा की जीत के पीछे असली कारण यही है। यह अवधारणा अब समाप्त हो गयी है कि कम्युनिस्ट भ्रष्ट नहीं हो सकते हैं, कम्युनिस्ट हमेशा प्रगतिशील और वैज्ञानिक विकास की अवधारणा से जुडे होते हैं। केरल कम्युनिस्ट सरकार के कई भ्रष्टचार योजनाओं और नीतियों की जांच केन्द्रीय जांच एजेंसियां कर रही हैं। करूवन्नूर सहकारी बैंक घोटाला, मसाला ब्रांड घोटाला, मुख्यमंत्री की बेटी से संबंधित भुगतान घोटाला, पेंशन नीति घोटाला, शबरीमाला मंदिर घोटाला, आय से अधिक संपत्ति का प्रसंग घोटाला, स्वर्ण तस्करी घोटाला, बार रिश्वत घोटाला आदि प्रमुख करतूतों से कम्युनिस्ट की सरकार भ्रष्ट और बईमान साबित हुई हैं। इससे कम्युनिस्ट सरकार की जनवादी छवि पर आंच आयी और जनता के बीच कम्युनिस्टों की छवि खराब हुई। भाजपा ने त्रिपुरा में कम्युनिस्टों की 30 सालों की सरकार का संहार किया था और अपनी सरकार बनायी थी। कम्युनिस्टों के गढ पश्चिम बंगाल में भी भाजपा मुख्य विपक्षी दल है। अभी सिर्फ केरल में ही कम्युनिस्ट सरकार में थे और इनका अस्तित्व सक्रिय था। पर भाजपा की दमदार उपस्थिति के कारण कम्युनिस्ट केरल में भी सत्ता से बाहर होने की स्थिति पहुंच गये हैं। कम्युनिस्टों को अब अधाधूंध भाजपा विरोध और हिन्दुओं से अकारण दुश्मनी लेने की आत्मघाती प्रवृति छोड देनी चाहिए और मुस्लिम पक्षधर नीति का त्याग करना चाहिए, नही तो फिर भाजपा के प्रचार-प्रसार के बुलडोजर के सामने कम्युनिस्टों की खुशफहमी का संहार होना निश्चित है।र

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बांग्लादेश के खिलाफ गतिविधियों के लिए अपनी धरती का इस्तेमाल नहीं होने दिया गया : भारत

नयी दिल्ली/भाषा

भारत ने रविवार को इस बात पर जोर दिया कि उसने कभी भी अपनी धरती को बांग्लादेश के हितों के खिलाफ गतिविधियों के लिए इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं दी है और वहां आगामी संसदीय चुनावों को शांतिपूर्ण माहौल में कराने पर बल दिया। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने रविवार को भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को तलब कर भारत में मौजूद अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की ओर से दिए गए भड़काऊ बयानों पर गंभीर चिंता जताई। इस घटनाक्रम के कुछ घंटे बाद भारत की यह प्रतिक्रिया आई है। बांग्लादेश से जारी एक बयान के अनुसार, मंत्रालय ने वर्मा के संज्ञान में हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग के कुछ सदस्यों की भारत में रहने के दौरान की गतिविधियों को भी लाया गया है।

दूसरी ओर, नयी दिल्ली में विदेश मंत्रालय ने कहा, भारत बांग्लादेश की अंतरिम सरकार द्वारा प्रेस बयान में किए गए दावों को स्पष्ट रूप से खारिज करता है। मंत्रालय ने कहा कि भारत ने बांग्लादेश में शांतिपूर्ण माहौल में स्वतंत्र, निष्पक्ष, समावेशी और विश्वसनीय चुनाव कराने के अपने रुख को लगातार दोहराया है। इसने कहा, भारत ने कभी भी अपनी धरती को बांग्लादेश के हितों के खिलाफ गतिविधियों के लिए इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं दी है। इसने एक बयान में कहा, हमें उम्मीद है कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार आंतरिक कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक उपाय करेगी, जिसमें शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराना भी शामिल है।

बांग्लादेश में संसदीय चुनाव 12 फरवरी को होंगे। पिछले साल अगस्त में बड़े पैमाने पर हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद हसीना सरकार के पतन के बाद यह पहला आम चुनाव होगा।

अवामी लीग ने चुनावों को खारिज करते हुए कहा है कि मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार स्वतंत्र और सामान्य माहौल में चुनाव कराने में सक्षम नहीं होगी। अवामी लीग ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा, यह अब स्पष्ट हो गया है कि वर्तमान सत्ताधारी दल पूरी तरह से पक्षपाती है और उनके नियंत्रण में एक निष्पक्ष और सामान्य माहौल सुनिश्चित करना असंभव है जहां पारदर्शिता, तटस्थता और जनता की इच्छा को प्रतिबिंबित किया जा सके। हसीना (78) पिछले साल अगस्त में छात्रों के हिंसक प्रदर्शन के बाद भारत आ गयीं थीं।

बांग्लादेश के एक विशेष न्यायाधिकरण ने उन्हें मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए दोषी ठहराते हुए मौत की सजा सुनाई है। बांग्लादेश भारत से हसीना के प्रत्यर्पण की मांग कर रहा है।

विरोध

गुवाहाटी में रविवार को खेती-बाड़ी के मज़दूर, जन-विरोधी नीतियों और लेबर कोड के खिलाफ, गुवाहाटी के लाचित घाट पर एक रैली में हिस्सा लेते हुए।

नवाज़ुद्दीन सिद्दीकी बोले-फिल्मी सफर से मोहब्बत, निजी रिश्तों से दूरी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड एक्टर नवाज़ुद्दीन सिद्दीकी अपने वर्सटाइल और दमदार अभिनय के लिए पहचाने जाते हैं। छोटे-छोटे किरदारों से करियर शुरू करने वाले नवाज़ आज लीड रोल में भी दर्शकों को लंबे समय से प्रभावित कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने अपने अभिनय के तरीके और किरदारों से जुड़ी चुनौतियों पर खुलकर बात की। नवाज़ुद्दीन ने कहा कि वे चाहते हैं कि उनके भीतर भी बाकी एक्टर्स की तरह 'ऑन-ऑफ का बटन' होता। उन्होंने बताया कि कई कलाकार सीन खत्म होते ही अपने किरदार से बाहर आ जाते हैं, लेकिन उनके साथ ऐसा नहीं होता। उनका किरदार दिमाग के किसी न किसी कोने में बना रहता है और उसे भूलने में समय लगता है। उन्होंने कहा, काश मैं भी शूट खत्म होते ही नॉर्मल हो पाता।

एक्टर ने यह भी स्वीकार किया कि उन्हें असल दुनिया की तुलना में फिल्मी दुनिया में रहना ज्यादा पसंद है। कई बार लगातार दो महीने तक शूटिंग चलती है और जब नया प्रोजेक्ट शुरू होता है, तो पुराने सेट और कहानी से बाहर निकलना मुश्किल हो जाता है। यह उनके लिए अब एक आदत बन चुकी है। फिल्म में नवाज़ुद्दीन सिद्दीकी के साथ चित्रांगदा सिंह, संजय कपूर, राधिका आप्टे, इला अरुण और रेवती अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

19 दिसंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली यह थ्रिलर फिल्म सस्पेंस से भरपूर है। नवाज़ुद्दीन के इन खुलासों से साफ है कि वे अपने हर किरदार को पूरी गंभीरता और समर्पण के साथ जीते हैं, यही बात उन्हें बाकी कलाकारों से अलग बनाती है।

रणदीप हुड्डा ने सेल्यूलर जेल का दौरा किया, 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' की शूटिंग को किया याद

नयी दिल्ली/भाषा

बॉलीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा ने रविवार को अपने सोशल मीडिया पर सेलुलर जेल की कई तस्वीरें साझा कीं जहां उन्होंने अपनी पहली निर्देशित फिल्म स्वातंत्र्य वीर सावरकर की शूटिंग की थी। मार्च 2024 में रिलीज हुई फिल्म स्वातंत्र्य वीर सावरकर भारतीय राजनीतिज्ञ विनायक दामोदर सावरकर के जीवन पर आधारित थी। इसमें अभिनेता ने मुख्य भूमिका निभाई थी। अभिनेता(49) ने तस्वीरें साझा करते हुए अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक लंबा नोट लिखा। उन्होंने कैप्शन में लिखा, श्री विजयपुरम (पोर्ट ब्लेयर)। सेलुलर जेल। सागर प्राण तलमलला (प्रसिद्ध मराठी कविता) के 115 वर्ष हो गए। उस सेलुलर जेल में दोबारा जाना, जहां वीर सावरकर ने कभी कष्ट झेले थे, जहां मैंने वीर सावरकर फिल्म का एक बड़ा हिस्सा शूट किया था, और उस जेल में उनकी प्रतिमा का अनावरण देखना, जो कभी खौफनाक काला पानी हुआ करती थी, मेरे लिए बेहद खास अनुभव है। सच्चाई हमेशा अमर रहती है।

प्रदर्शन

कोलकाता में रविवार को भारतीय जनता युवा मोर्चा के मेंबर रविवार को कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में अर्जेंटीना के फुटबॉल आइकन लियोनेल मेसी के इवेंट के दौरान हुई अफरा-तफरी के एक दिन बाद विरोध में सड़क पर फुटबॉल खेलते हुए।

भारत में भी बच्चों के लिए लागू हो सोशल मीडिया बैन : सोनाक्षी सिन्हा

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के पावर कपल्स जहीर इकबाल और सोनाक्षी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं और अपनी मस्ती-भरे वीडियो शेयर करते रहते हैं। हाल ही में दोनों ने मेटा मेटामॉर्फोसिस मास मीडिया सेलिब्रेशन में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के 16 साल से कम उम्र के बच्चों पर सोशल मीडिया बैन के फैसले पर अपनी राय रखी। अभिनेत्री का मानना है कि यह कानून भारत में भी आना चाहिए, तो वहीं जहीर का कहना है कि माता-पिता को अपने बच्चों पर निगरानी रखनी चाहिए। सोनाक्षी ने कहा, मुझे लगता है कि भारत में ये कानून सबसे पहले आना चाहिए। खासकर बच्चों को एक खास उम्र तक सोशल मीडिया और मोबाइल फोन से पूरी तरह दूर रखना चाहिए। कम से कम तब तक जब तक बच्चा खुद सही-गलत और अच्छा-बुरा समझने लायक न हो जाए। वहीं, इस पर जहीर का थोड़ा नजरिया अलग है। उन्होंने कहा, पूरा बैन

करने के बजाय माता-पिता को जिम्मेदारी लेनी चाहिए।'' अभिनेता ने अपने घर का उदाहरण देते हुए कहा, मेरे घर में भतीजी हैं। उनके पास भी आईपैड है, लेकिन हमने उसमें सिर्फ वही चीजें ओपन रखी हैं जो बच्चों के लिए सेफ हैं। वो जो चाहे वो नहीं देख सकती। यही सही तरीका है। बैन करने की जरूरत नहीं, बस सही तरीके से कंट्रोल करना है। उन्होंने आगे कहा, और जब आपका बच्चा थोड़ा बड़ा हो जाए, तब भी माता-पिता को पूरा ध्यान रखना चाहिए और उनके साथ बैठकर देखना चाहिए कि वे क्या देख रहे हैं। आजकल बच्चे एक बटन दबाते हैं और पता नहीं कहां पहुंच जाते हैं। इसलिए बच्चों पर हमेशा नजर रखनी चाहिए। हां, थोड़ा मुश्किल लगता है, लेकिन बच्चे की सुरक्षा और सही परवरिश के लिए ये करना बहुत जरूरी है।

इसी के साथ ही अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर बढ़ती ट्रोलिंग को लेकर नए कानून बनाने की बात की। उन्होंने कहा, सबसे खराब चीज मुझे लगती है कि सोशल मीडिया पर खुलेआम लोगों को अपमानित करना है। आज के समय में कोई भी कहीं बैठकर किसी को भी बोलने लगता है। मुझे लगता है कि ये हर किसी के साथ हो रहा है। इसके लिए एक सख्त कानून होना चाहिए। अभिनेत्री ने फिल्म 'धुरंधर' में रणवीर के अभिनय की तारीफ की। उन्होंने कहा, मैं रणवीर को खासतौर पर ढेर सारी बधाई देना चाहती हूं। उन्होंने फिल्म में शानदार काम किया है। लोगों को उनकी परफॉर्मेंस बहुत पसंद आ रही है।

मैंने नींव रखी, तुमने महल बना दिया : स्वाति मिश्रा

मुंबई/एजेन्सी

'राम आएंगे तो अंगना सजाऊंगी' गाने से फेमस हुई भोजपुरी गायिका स्वाति मिश्रा ने बीते महीने ही अपने लॉन्ग-टाइम बॉयफ्रेंड और म्यूजिक प्रोड्यूसर मोहित मुसिक से शादी की है। सिंगर ने हल्दी से लेकर शादी की फोटोज को फैंस के साथ सोशल मीडिया पर शेयर किया, लेकिन अब स्वाति ने अपने पति मोहित मुसिक पर खुलकर प्यार लुटाया है और बताया है कि कैसे जिंदगी के खराब दिनों में भी उन्होंने उन्हें संवारा। भोजपुरी गायिका स्वाति मिश्रा ने अपने इंस्टाग्राम पर शादी की कुछ फोटोज पोस्ट की हैं और फोटोज के जरिए अपने दिल का हाल बताया है। सिंगर ने लिखा, प्यार और शादी दो बिल्कुल अलग-अलग चीजें हैं। जिनकी शादी उनके प्यार से हो जाए, वे बड़े भाग्यशाली होते हैं, और मैं उन्हीं भाग्यशाली लोगों में से एक हूं। मेरे जीवन में ये प्यार तब आया था जब मुझे सबसे ज्यादा इसकी जरूरत थी। इसने मेरी दुनिया बदल दी और इस संसार को देखने का एक नया नजरिया दिया। सिंगर ने आगे लिखा, मैं उग्र और शैतानी स्वभाव की और वह शांत और शीतल स्वभाव का। मैं कामों से पैनिक हो जाती थी और वह शांति से बड़े काम करने वाला। मैं बड़े सपने देखने वाली और वह टी-शर्ट में खुश हो जाने वाला। मैंने बड़ा सपना देखा, उसने पूरा किया। मैंने नींव रखी, उसने महल बना दिया। पोस्ट के आखिर में सिंगर लिखती हैं कि मोहित ने उन्हें उनके माता-पिता जितना प्यार दिया है। बता दें कि स्वाति मिश्रा और मोहित एक-दूसरे को काफी समय से जानते थे। उन्होंने स्वाति के गानों के लिए म्यूजिक बनाया है। उन्होंने स्वाति के साथ 'प्यार की जीत,' 'राम आएंगे,' 'छठ के त्योहार,' 'लव के घूंट,' 'धीरे-धीरे,' 'हरि में खोया,' और 'काला जादू' गाने अपने वर्जन के साथ बनाए। मोहित और स्वाति एक साथ अपने कई यूट्यूब चैनल भी चलाते हैं, जिसके जरिए वे अपने नए गानों को दर्शकों तक पहुंचाते हैं। स्वाति की आवाज में छठ के भक्ति-भाव से भरे गीत सबसे ज्यादा पसंद किए जाते हैं। सिंगर का हालिया रिलीज 'छठ के त्योहार' सबसे ज्यादा पसंद किया गया था। गाने में एक परिवार का दुख और माता-पिता के वृद्धाश्रम में रहने की पीड़ा को दिखाया गया था।

'किस किसको प्यार करूं 2' से पारुल गुलाटी का बॉलीवुड डेब्यू

मुंबई/एजेन्सी

कॉमेडी किंग कपिल शर्मा की फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म में कपिल के साथ आयशा खान, पारुल गुलाटी, त्रिधा चौधरी, हीरा वरीना और मनजोत सिंह भी हैं। फिल्म रिलीज होने पर पारुल गुलाटी ने अपनी खुशी जाहिर की। अभिनेत्री का कहना है कि यह फिल्म उनके लिए खास है। उनकी पहली फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक इमोशनल वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपने 15 साल के लंबे सफर की कहानी सुनाई। पारुल ने बताया कि उनकी मां हमेशा हौसला देती थी और कहती थीं कि तेरी किस्मत का कोई नहीं छीन सकता। अगर ऊपर वाले की मेहर होगी, तो तुझे वो भी मिल जाएगा, जो तेरी नहीं है।

पारुल ने अपने सफर को याद करते हुए कहा, मैंने अपने करियर की शुरुआत टेलीविजन से की थी। उसके बाद वेब सीरीज की, पंजाबी फिल्में भी की, लेकिन वो भी ज्यादा नहीं चली। फिर मैंने जाकर बिजनेस शुरू किया। कई बार लगा शायद एक्टिंग मेरे लिए नहीं है, लेकिन इस बीच मुझे कभी एक्टिंग छोड़ने का ख्याल नहीं आया, क्योंकि एक्टिंग मेरे लिए एक शादी की तरह है और बिजनेस मेरा बच्चा है। अभिनेत्री ने बताया कि जब-जब उन्हें रिजेक्शन

मिलते थे, तो उनके मन में सवाल उठता था कि कहीं मेरे में तो कमी नहीं है। लेकिन, मां समझाती थीं, निशु, तुम्हारे लिए इससे बेहतर कुछ लिखा है।

अभिनेत्री ने लिखा, 15 साल का इंतजार, ये सब ज्यादा है, या फिर कम मुझे नहीं पता, लेकिन आज जब मेरी पहली बॉलीवुड फिल्म थिएटर में लगी है, तो बहुत भावुक हूं। आज मुझे भगवान और किस्मत पर यकीन हो गया है।अभिनेत्री के पोस्ट शेयर करने के बाद फैंस और दोस्तों ने कमेंट सेक्शन में तरह-तरह की प्रतिक्रिया दी। कंटेंट क्रिएटर नेन्सी त्यागी और शनाया कपूर ने हार्ट इमोजी के साथ प्रतिक्रिया दी। वहीं, अभिनेत्री जीया शंकर ने कमेंट सेक्शन में लिखा, बधाई हो।

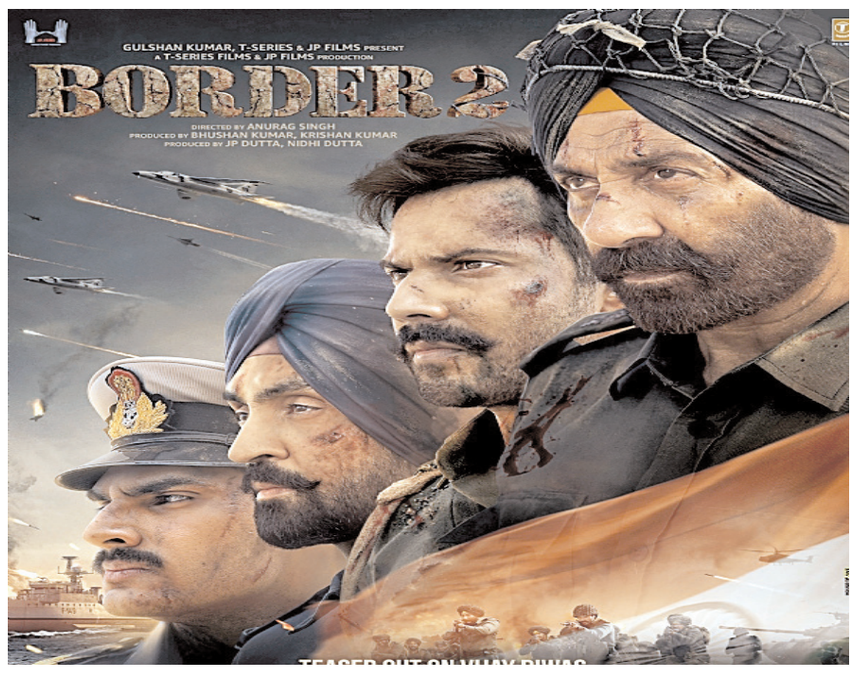

'बॉर्डर 2' के पोस्टर में दिखे चार फौजी, विजय दिवस पर जारी होगा टीज़र

मुंबई/एजेन्सी

'बॉर्डर 2' को लेकर दर्शकों में उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है। मेकर्स ने अब फिल्म का नया पोस्टर जारी कर इस उत्साह को और दोगुना कर दिया है। पोस्टर में सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी एक साथ फौजी अवतार में नजर आ रहे हैं। चारों कलाकारों का दमदार और गहन लुक साफ बता रहा है कि इस बार पर्दे पर एक और भव्य वॉर ड्रामा देखने को मिलने वाला है।

फिल्म से जुड़े सूत्रों और बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, 'बॉर्डर 2' का टीज़र विजय दिवस, यानी 16 दिसंबर को जारी किया जाएगा। यह दिन साल 1971 में पाकिस्तान पर भारत की ऐतिहासिक जीत का प्रतीक है, ऐसे में टीज़र रिलीज़ के लिए इससे बेहतर दिन कोई हो ही नहीं सकता। मेकर्स ने भी आधिकारिक तौर पर इस तारीख की पुष्टि कर दी है। यह भी खास है कि धर्मेंद्र के निधन के बाद यह पहला मौका होगा जब सनी देओल किसी बड़े सार्वजनिक कार्यक्रम में नज़र आएंगे। ऐसे में टीज़र लॉन्च इवेंट भावनात्मक और यादगार दोनों होने वाला है।

सनी देओल की यह बहुप्रतीक्षित वॉर ड्रामा फिल्म 23 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। 'बॉर्डर' जैसी कल्ट फिल्म की सीक्वल होने के कारण दर्शकों की उम्मीदें पहले से ही आसमान पर हैं, और पोस्टर ने इन उम्मीदों को एक बार फिर मजबूत कर दिया है।

'बॉर्डर 2' में एक शक्तिशाली कहानी के साथ देशभक्ति, एक्शन, भावनाओं और बड़े स्टारकास्ट का जबरदस्त मिश्रण देखने को मिलेगा, जिससे यह फिल्म नए साल की सबसे बड़ी रिलीज़ में से एक बन सकती है।

कहां से आया था 'कचरा सेठ' का करेक्टर? जिसने बदल दी मनोज जोशी की किस्मत

मुंबई/एजेन्सी

'डेढ़ सौ रुपया देगा,' कचरा सेठ और चाणक्य जैसे रोल निभाने वाले मनोज जोशी बहुमुखी प्रतिभा के धनी एक्टर हैं। उन्होंने हमेशा ऐसे रोल प्ले किए हैं, जिन्होंने उनके करियर पर चमचमाते सितारे का काम किया है। अभिनेता का 'कचरा सेठ' का किरदार बहुत पॉपुलर हुआ, जिसे आज भी मीम्स पर याद किया जाता है। फिल्म में उनके द्वारा बोला गया हर डायलॉग आज भी दर्शकों को याद है। साल 2006 में आई फिल्म 'फिर हेरा फेरी' में मनोज जोशी ने 'कचरा सेठ' का रोल प्ले किया था और उनका डायलॉग, 'डेढ़ सौ रुपया देगा,' आज भी दर्शकों का फेवरेट डायलॉग है, लेकिन 'कचरा सेठ' का किरदार कहां से आया? 'कचरा सेठ' का किरदार मनोज जोशी की कद-काठी और उनके प्ले से प्रेरित होकर ही बनाया गया था। दरअसल, 'फिर हेरा फेरी' मिलने से पहले मनोज सिन्हा एक प्ले कर रहे थे, जब दिवंगत डायरेक्टर और अभिनेता के दोस्त रहे नीरज वोरा उनका प्ले देखने पहुंचे थे। मंच पर अपनी लंबी कद-काठी से डायलॉग बोलते मनोज का कॉमेडी अंदाज नीरज वोरा को पसंद

आया, लेकिन उन्हें कचरा सेठ बनाने के लिए उनके लुक में बदलाव किए गए।

अभिनेता का सबसे पहले चश्मा व दांतों को बदला गया और ड्रेसिंग सेंस के लिए कुर्ता पजामा पहनाया गया, लेकिन बोलने का लहजा वही रखा गया, जो मंच में उनके पहले किरदार का था। एक इंटरव्यू में मनोज जोशी ने बताया था कि साल 2006 से 2024 तक उनके लिए यह किरदार आइकॉनिक रहा, क्योंकि उनका किरदार इतना फेमस हुआ कि आज भी सोशल मीडिया पर मीम्स बन रहे हैं।मनोज जोशी का करियर हिंदी सिनेमा में अपने अलग-अलग किरदारों के लिए जाना जाता है। मराठी, गुजराती और हिंदी थिएटर में अपने करियर की शुरुआत करने वाले अभिनेता ने सीरियस रोल भी प्ले किए हैं। उन्होंने टीवी सीरियल 'एक महल हो सपनों का' में अभिषेक पुरुषोत्तम नानावटी का रोल प्ले किया था, जो अपने परिवार का मुखिया हुआ करता था। इसके अलावा, उन्होंने साल 2015 में आए चक्रवर्ती सम्राट अशोक में 'चाणक्य' और साल 1991 में आए सीरियल 'चाणक्य' में मंत्री श्रीयाक का रोल प्ले किया था। अभिनेता को बतौर कॉमेडियन फिल्म 'हंगामा' से हिंदी सिनेमा में ब्रेक मिला था, जिसके बाद उन्होंने 'हलचल', 'धूम', 'भागम भाग', 'फिर हेरा फेरी', 'चुप चुप के', 'भूल भुलैया', और 'बिल्लो बार्बर' जैसी फिल्मों में कॉमेडी रोल से दर्शकों को गुदगुदाने का काम किया।

संघ यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के दक्षिण नाकोड़ा पार्श्व भैरव भक्त मंडल एवं जैन दोस्ती फेडरेशन के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को टुमकूरु रोड स्थित आदि संस्कार जैन तीर्थ से विशाल संघ दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ श्री संकट मोचन पार्श्व भैरव धाम अरसीकेरे के लिए रवाना हुआ। गौ प्रेमी महेंद्र मुणोत ने जैन ध्वज लहराकर संघ यात्रा बसों को रवाना करते हुए संघ यात्रियों की सफल एवं सुखद यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी। मितेश सुराणा एवं मंडल के सदस्यों ने मुणोत को सम्मानित किया।

पार्श्वनाथ जन्म कल्याणक एवं गुरु ज्येष्ठमल की जयंती तप त्याग पूर्वक मनाई गई

मुमुक्षु दीक्षा महोत्सव का पत्रिका आलेखन कार्य प्रारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र के तत्वावधान में पुरुषादानीय तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ जन्म कल्याणक महोत्सव एवं गुरुदेव श्री ज्येष्ठमलजी म.सा. की जयंती उत्साह उमंग के साथ तप त्याग पूर्वक उपप्रवर्तकश्री नरेशमुनिजी, शालिभद्रमुनिजी, साध्वीश्री सत्यप्रभाजी, सुप्रभाजी, डॉ मेघाश्रीजी के सान्निध्य में रविवार को सैकड़ों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में मनाई गई।

इस अवसर पर उपप्रवर्तकश्री नरेशमुनिजी ने कहा कि भगवान महावीर से 250 वर्ष पूर्व इस अवसर्पिणी काल के 23वें तीर्थंकर भगवान श्री पार्श्वनाथ हुए। भगवान पार्श्वनाथ का जन्म वाराणसी नगरी में राजा अश्वसेन के घर पर रानी वामादेवी की कुक्षि से हुआ। आपका नाम स्मरण भी बहुत कल्याणकारी और मंगलकारी है। पार्श्वनाथ करुणा, दया, मानवता के सागर थे। अहिंसा, संयम और तप से बने श्रेष्ठ तथा मंगलकारी धर्म की आराधना साधना करने वाले साधक को देवता भी वंदन नमस्कार करते हैं। जैन धर्म के इन महान तत्वों का अपने जीवन में पालन करने वाले, मानवता की सेवा, जन कल्याण का कार्य करने वाले दादा गुरुदेवश्री ज्येष्ठमल जी एक महान श्रेष्ठ महामहिम सन्त रत्न शिरोमणि महापुरुष थे। जिनका जीवन उस अगरबत्ती के समान है जो स्वयं जलकर दूसरों को एवं अपने आस पास के वातावरण को भी सुगंधित करती है। वास्तव में वही आत्माएं धन्य होती हैं। संत संसार की अनुपम दिव्य विभूति है। मुनिश्री ने गुरुदेव श्री ज्येष्ठमल जी महाराज के बहुआयामी व्यक्तित्व एवं कृतित्व के अनेक प्रेरणादायी संस्मरण प्रस्तुत करते हुए महान संयमी आत्मा के प्रेरक जीवन से प्रेरणा लेने की बात कही। संयम ही जीवन को महान बनाता है।ङ्कङ्कप्रारंभ में श्री शालिभद्रमुनिजी ने कहा कि तीर्थंकर परमात्मा स्वयं संसार सागर से तिरते हैं और जगत जीवों को भी संसार सागर से पार लगाने का उपदेश, मार्ग बतलाते हैं। उन्होंने गुरुदेव श्री ज्येष्ठमल जी महाराज की जयंती पर उनके गुण स्मरण करते हुए कहा कि जो हमेशा दूसरों के कष्टों को मिटाते हैं। संसार के विषाक्त वायुमंडल में संजीवनी का रस घोलने वाले हैं। धर्म के संदेश वाहक और क्षमा,दया, मानवता, करुणा और समय सदाचार, परोपकार आदि के आदर्श महापुरुष हैं। संयम मोक्ष का पासपोर्ट है। विराजित सभी साध्वी मंडल ने भी गुरुदेव ज्येष्ठमलजी के जयंती प्रसंग पर उनके विराट बहुआयामी संयमी जीवन पर सारगर्भित प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरुदेव का आशीर्वाद कृपा हम सब पर हमेशा बनी रहे।

इस अवसर पर सकल संघ की उपस्थिति में मुमुक्षु लवेश सिंघवी के जैनेश्वरी भागवती दीक्षा महोत्सव के पत्रिका आलेखन कार्य की मंगल शुरुआत दीक्षा महोत्सव के लाभार्थी परिवारों के साथ गुरु पुष्कर जैन आराधना केन्द्र के पदाधिकारियों, ट्रस्टी गण के साथ की गई। आराधना केन्द्र के अध्यक्ष नेमीचंद सालेचा ने सबका स्वागत किया। कार्यक्रम में ज्येष्ठ गुरु के जन्मोत्सव के गौतम प्रसादी के लाभार्थी लुंकड़ परिवार, दीक्षा के धर्म लाभार्थी भंसाली व रातड़िया परिवार के साथ आराधना भवन के ट्रस्टी भी उपस्थित थे । कार्यक्रम का संचालन आराधना केन्द्र के महामंत्री महावीरचंद मेहता ने किया। इस अवसर पर समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। अंत में गुरुदेव श्री नरेश मुनिजी ने सबको मंगल पाठ प्रदान किया।

पैरामेडिकल के विद्यार्थियों का किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। रविवार को जैन चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में भगवान महावीर दर्शन आई हॉस्पिटल में फेयरवेल एंड फेलिसिटेशन सेरेमोनी में पैरामेडिकल विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वाणिज्य कर विभाग के संयुक्त आयुक्त बालसुब्रमनियम के साथ डा. भरतकुमार जैन, मेडिकल डायरेक्टर जैन चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष कांतिलाल चौहान, मुख्य सचिव प्रवीण जैन, उपाध्यक्ष वसंत जैन, खजांची घेवरचंद जैन, ट्रस्टी जयंतीलाल जैन, विजय शाह, शांतिलाल जैन, मांगीलाल जैन, वसंत जैन, राजू जैन, प्रकाश जैन एवं जीतो चैप्टर मैसूरु के मुख्यसचिव गौतम सालेचा एवं गणमान्य डाक्टरों की टीम सहित पैरामेडिकल विद्यार्थी भी सम्मलित हुए।

सबसे पहले मंगलाचरण से प्रारम्भ हुआ प्रवीण जैन द्वारा हॉस्पिटल की रिपोर्ट की प्रस्तुति दी गयी।

डॉ. भरत ने सभी विद्याथियो के बारे में पूरी जानकारी दी गई। मुख्य अथिति ने जैन समाज द्वारा कर रहे कार्यो की प्रशंसा की गई। सभी विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट प्रदान किए गए । नेत्र रक्षा का अवार्ड भी पांच व्यक्तियों को दिया गया है। विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई।

श्रेयांस पारणा समिति ने किया सहयोगी रातड़िया परिवार का सम्मान

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। यहां के श्री श्रेयांस पारणा समिति के तत्वावधान में श्रीरामपुरम स्थित जेपीपी जैन श्रमणी सेंटर में संचालित एकांतर वर्षीतप पारणा कार्यक्रम में वार्षिक सहयोगी उत्तमचंद पदमराज नितेश रातड़िया परिवार का अभिनंदन किया गया। समिति के चेयरमैन रमेशचंद सियाल, सह चेयरमैन मीठालाल लोढ़ा ने रातड़िया परिवार के समाज के प्रति विपुल योगदान की सराहना की। जेके महावीरचंद चोरड़िया ने समिति के सेवा कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि एकांतर पारणा में 160 वर्षीतप आराधक तपस्वियों के लिए पारणा की सुंदर व्यवस्था की गई है और अक्षय तृतीया पारणा महोत्सव का आयोजन पैलेस ग्राउंड में किया जाएगा जहां आचार्य पार्श्वचंद्र जी एवं स्थानकवासी समणी मार्ग प्रणेता पदमचंद्रमुनिजी के सान्निध्य में 400 से अधिक वर्षीतप आराधकों का पारणा संपन्न होगा।

समिति की ओर से रातड़िया परिवार का माल्यार्पण एवं जैन पट्ट के साथ अभिनंदन किया गया । उत्तमचंद रातड़िया एवं पदमराज रातड़िया ने समिति द्वारा तपस्वियों के पारणे की सुंदर व्यवस्था के लिए समिति की सराहना की। समणी निदेशिका डॉ सुयशनिधिजी एवं समणी डॉ सुयोगनिधिश्री ने प्रेरक उद्बोधन दिया। धर्मीचंद सुरेन्द्रकुमार टोडरवाल परिवार ने वार्षिक सहयोगी बनने की घोषणा की। इस अवसर पर विशेष अतिथि फेडरेशन ऑफ जैन एसोसिएशन इन नॉर्थ अमेरिका के स्थाई सदस्य मनीष मेहता भी उपस्थित हुए।उनका भी समिति की ओर से सम्मान किया गया। इस अवसर पर अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।

'हम श्याम के दीवाने' भजन संध्या 21 को

श्याम दीवाने का 13वां वार्षिकोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर की धार्मिक संस्था 'श्याम दीवाने' के तत्वावधान में प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी 21 दिसम्बर को विजयनगर स्थित होसाहल्ली मेट्रो स्टेशन के पास बसवेश्वर सुगनाना कल्याण मंडप में खाटू वाले श्याम बाबा की भजन संध्या 'हम श्याम के दीवाने' का आयोजन किया जा रहा है। रविवार को आयोजित होने वाली 13वीं वार्षिक भजन संध्या में कोलकाता के कारीगरों द्वारा बाबा श्याम का भव्य अलौकिक दरबार सजाया जाएगा। इस अवसर पर दोपहर 3 बजे से संस्थापक सदस्य नंदू सोनी, ओम राठी, देव कोठारी, गिरि बागड़ी द्वारा पूजन कर अखंड ज्योत प्रज्वलित की जाएगी। इस भजन संध्या में मुम्बई के भजन

गायक मनोज मिश्रा व जयपुर के गायक अभिषेक नामा बाबा श्याम के भजनों की प्रस्तुति देंगे। भजनों में दिल्ली के संगीतकार नरेश पूनिया पार्टी संगीत देगी। इस वार्षिकोत्सव को और यादगार बनाने के लिए श्याम दीवाने संस्था के सदस्यगण और श्याम भक्त तैयारियों में जुटे हुए हैं।

मानव जीवन का हर क्षण मूल्यवान है : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां वी वी पुरम स्थित एक अपार्टमेंट में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्री ने रविवार को अपने प्रवचन में कहा कि जब मानव जीवन का हर क्षण मूल्यवान है तो मानव जीवन का ऐसा कौन सा क्षण है, जिसमें वह मानव जीवन का निर्माण करना प्रारंभ करे? जीवन में सोने का भी समय होता है, उठने का भी समय होता है, दुकान खोलने का भी समय होता है, बंद करने का भी समय होता है। जीवन निर्माण का समय कब, जिस क्षण आत्मा मोक्ष मार्ग पर प्रस्थान करने का सोचती है, वही समय जीवन की महान इमारत निर्माण के लिए शुभ घड़ी है। जीवन के जिस क्षण में आत्म चेतना उजागर हो गई, वही क्षण सर्वश्रेष्ठ है जो मानव जीवन निर्माण के लिए जाग जाएगा। उसी क्षण में वह सब कुछ पाएगा, जिस क्षण में आत्म कल्याण की भावना जगती है वही जीवन निर्माण की शुभ घड़ी है। सत्य सहज है। सहजता में जीवन असाधारण होता है।

सरलता के बगैर सत्य का सान्निध्य नहीं मिलता। मानव को सहज और सरल जीवन व्यतीत करने का अभ्यास करना चाहिए। सरलता से पृथक होते ही यह जीवन कष्टमय बन जाता है। पद और ज्ञान का दंभ जीवन को जटिलतम बनाता है। सहज और सरल जीवन के माध्यम से प्रयास के बगैर मंजिल मिलती है। सहजता में जीवन असाधारण होता है। साध्वी ने कहा कि सत्य सहज है। सत्य का यथार्थ से संबंध है। सत्य बोलना कठिन नहीं है। जो वास्तविकता है उसे ही कहना है। सत्य में जोड़ना, घटाना और गुणा-भाग नहीं करना पड़ता। झूठ बोलना इसके ठीक विपरीत है। जो नहीं है, वही कहना है।वास्तविकता से दूर जाना पड़ता है। संबंध की दीर्घता में सत्य सरल सेतु है। सत्य को कभी स्मरण नहीं रखना पड़ता। स्वयं स्मृति में रहता है। झूठ को सदा स्मृति पटल पर रखना होता है। झूठ को जितनी बार दोहराते हैं उतनी बार उसका अर्थ बदलता जाता है। झूठ जटिलताएं उत्पन्न करता है, जो मानसिक तनाव का कारण बनकर सरलता नष्ट करती है। सरलता के बगैर सत्य का सान्निध्य नहीं मिलता। जटिलता छोड़ने पर आनंद धारा फूट पड़ती है। निकेश भंडारी ने बताया कि साध्वीवृंद के सानिध्य में उवसग्गहरं स्तोत्र के 108 अभिषेक पूजन जाप का आयोजन धूमधाम से संपन्न हुआ।

भगवान की नज़रों में कोई बड़ा छोटा नहीं होता

ज्ञानमुनि की पुस्तक 'ज्ञानांजलि' के छठे संस्करण का विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। रविवार को प्रवचन की शुरुआत करते हुए गुरुदेव भानु रत्न हर्ष रत्न मुनिजी म.सा. ने पार्श्वनाथ भगवान के जन्म कल्याण के महोत्सव पर पंचकल्याणक के विषय में विस्तार से बताया। पहले च्यवन कल्याणक, दूसरा जन्म कल्याणक, तीसरा दीक्षा कल्याणक, चौथा केवल ज्ञान कल्याणक और पांचवा मोक्ष कल्याणक, इन पाँचों पर विस्तार से बताते हुए कहा कि सबके समय अनुसार सभी मंत्रों का स्मरण करने से सभी का कल्याण होता है। किसी तरह के उसके बाद कोई भी तरह का यंत्र, मंत्र, तंत्र काम नहीं करता है। इन पांच कल्याणकों के कल्याण के जो महायंत्र हैं उनका स्मरण करते रहने से सभी का कल्याण होता है।गुरुदेव ज्ञान मुनि जी ने भगवान पार्श्वनाथ के जन्म कल्याणक पर उनकी महिमा का गुणगान किया। उन्होंने बताया कि सारे तीर्थंकरों में भगवान पार्श्वनाथ के सबसे अधिक तीर्थ और मंदिर बने हुए हैं। प्रभु पार्श्वनाथ के नाम मात्र में इतनी लब्धि और शक्ति हैं कि उनके सुमिरन करने से ही जीवन का उद्धार हो जाता है। भगवान पार्श्वनाथ की कथा करने से जन्मोजनम के पाप क्षय हो जाते हैं और भविष्य भी सँवर जाता है। रहीमदासजी का ज़िक्र करते हुए गुरुदेव ने कहा कि किसी की असीम भक्ति से भगवान उनके सारे दुःख दर्द को क्षीण करने का रास्ता दिखा देते हैं। आज संसार में हर कोई हर किसी चीज़ पर विश्वास और आस्था रखते हैं, परन्तु भगवान की महिमा में आस्था और विश्वास खो बैठे हैं। भगवान की नज़रों में कोई बड़ा छोटा नहीं होता। जैसे नाली का पानी नदी में मिलने से पवित्र हो जाता है, वैसे ही भगवान में आस्था से पापों का सफाया हो जाता है।

हर सच्चे भक्त के मन में परमात्मा वास करते हैं। साधु संत की संगत से और जिनवाणी सुनने से कर्मों की निर्जरा होती है। इस अवसर पर गुरुदेव श्री ज्ञान मुनिजी की प्रार्थना, भजन और स्तुतियां की पुस्तक 'ज्ञानांजलि' के छठे संस्करण का विमोचन किया गया। इस पुस्तक को श्रावक भद्रेश ने संपादन किया है। यलहंका संघ की ओर से इस पुस्तक का लोकार्पण किया । सभा का संचालन महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने किया ।

सुख शांति दायक है प्रभु पार्श्वनाथ का नाम : साध्वी संयमलता

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। आचार्य श्री महाश्रमणजी की शिष्या साध्वी श्री संयमलताजी के सान्निध्य में 23 वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ भगवान की पार्श्व जयंती का आयोजन राजराजेश्वरी नगर के तेरापंथ भवन में किया गया। साध्वीश्रीजी ने प्रभु पार्श्व की अति महिमा, प्रसिद्धि व प्रभावना का कारण बताते हुए कहा कि प्रभु पार्श्व ने अनेक जीवों का कल्याण किया। उन्हें संसार मार्ग से ऊपर शाश्वत सुख का रास्ता दिखाया। साध्वीश्री ने कहा, मंत्र शक्ति से मन को एकाग्र कर हम अपनी प्राण उर्जा को एक आराध्य पर केन्द्रित करके उस शक्तिशाली प्रभुत्ता संपन्न प्रभु की सकारात्मक उर्जा व पवित्रता से संपर्क साध कर स्वयं भी प्रभुता संपन्न बन जाते हैं। तेरापंथी सभा, युवक परिषद, महिला मंडल ने पार्श्व स्तुति से सामूहिक मंगलाचरण किया। राजराजेश्वरीनगर के सभाध्यक्ष राकेश छाजेड़ एवं विजयनगर सभा के अध्यक्ष मंगल कोचर ने प्रभु पार्श्व देव के प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त की। इस कार्यक्रम में राजराजेश्वरी नगर, विजयनगर, हनुमंतनगर, केंगेरी तथा अन्य क्षेत्रों के पदाधिकारीगण एवं श्रावक-श्राविका समाज की अच्छी संख्या में उपस्थिति रही। यह कार्यक्रम राजराजेश्वरी नगर एवं विजयनगर सभा द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया।

ऐतिहासिक और चामत्कारिक तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ : साध्वी पुण्ययशा

बेंगलूरु। आचार्य श्री महाश्रमणजी की शिष्या साध्वीश्री पुण्ययशाजी के सान्निध्य में जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर भगवानश्री पार्श्वनाथ की जयंती को दो चरणों में मनाया गया। प्रथम चरण चन्नपटना में और द्वितीय चरण मत्तिकेरे स्कूल में मनाया गया। साध्वीश्री पुण्ययशाजी ने अपने प्रवचन में कहा, भगवान श्री पार्श्वनाथ एक ऐतिहासिक और चामत्कारिक तीर्थंकर थे। वाराणसी उनका जन्म स्थान था। विघ्न निवारणार्थ तथा उपसर्गों को दूर करने के लिए विशेष रूप से उनका स्मरण किया जाता है। उन्होंने सुदूर क्षेत्रों में तथा अनार्य क्षेत्रों में यात्राएं की। जब वे राजकुमार थे उस समय उन्होंने एक यज्ञ में आहूत की जाने वाली काष्ठ लकडी में जल रहे नाग-नागिन के जोड़े को अवधि ज्ञान से जाना। उसे बाहर निकलवाकर नमस्कार महामंत्र सुनाया परिणाम स्वरूप उनकी सद्गति हो गई। वे धरणेन्द्र पद्मावती नामके देव बने और भगवान पार्श्व के अधिष्ठायक देव हो गए। उक्त विचार व्यक्त करते हुए साध्वी श्री ने भगवान पार्श्वनाथ की स्तुति में निर्मित उवसग्गहर स्तोत्र व कल्याणमंदिर स्त्रोत्र के ऐतिहासिक और चामत्कारिक घटना प्रसंगों को बताया। कार्यक्रम का शुभारंभ साध्वीश्री बोधिप्रभाजी के मंगलाचरण से हुआ। साध्वी वर्धमानयशाजी ने एक गीतिका के माध्यम से भगवान पार्श्व की स्तुति की।

सम्मान

पटना में रविवार को बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी राज्य भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल के साथ 'कार्यकर्ता सम्मान समारोह' के दौरान।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**